



Disha Patani Goes Out on Lunch...

फोटोन एक्सक्लूसिव... महिलाओं के खिलाफ अपराध के आंकड़े भयावह, रोकने के लिए उठाने होंगे नए कदम

झारखंड : दहेज के लिए हर तीसरे दिन मार डाली गई एक विवाहिता

SUHAIB ANSARI @ RANCHI :

समाज में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही हिंसा और अपराध की घटनाएं विज्ञानिक हैं। महिलाओं के साथ दहेज के लिए हत्या और प्रताड़ना के मामले दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं। दहेज के लिए लगभग हर तीसरे दिन एक विवाहिता को मौत के घाट उतार दिया जाता है। महिलाओं की सेफ्टी के लिए कई तकनीकों का भी पुलिस इस्तेमाल कर रही है। लेकिन, सुरक्षा के सारे दावे फेल नजर आ रहे हैं। झारखंड में पिछले 10 महीनों में दहेज के लिए 142 महिलाओं को मार डाला गया। मालब हर 61 घंटे में दहेज के लिए एक महिला मारी जा रही है। जनवरी से लेकर अक्टूबर 2024 तक दहेज के लिए 142 महिलाओं को लोभियों ने अपना शिकार बनाया। ये आंकड़े स्टेट क्राइम रिकॉर्ड (एससीआरबी) ब्यूरो ने जारी किए हैं। सबसे ज्यादा घटनाएं अप्रैल 2024 में हुईं। इस महीने 25 महिलाओं को मार डाला गया। अगस्त और अक्टूबर में सबसे कम घटना हुईं। इस महीने एक-एक महिला को लोभियों ने अपना निशाना बनाया। वहीं जनवरी से अक्टूबर तक दहेज प्रताड़ना के 904 मामले दर्ज किए गए हैं।

जनवरी-अक्टूबर 2024 तक 142 महिलाओं को लोभियों ने बनाया अपना शिकार

स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने जारी किए आंकड़े, पुलिस के सारे दावे व तकनीक फेल



- सबसे ज्यादा घटनाएं अप्रैल 2024 में हुईं, इस महीने मार डाली गई 25 महिलाएं
- सबसे कम वारदात अगस्त और अक्टूबर में इस माह एक-एक की ली गई जान

कितनी हत्याएं	दहेज प्रताड़ना के मामले
जनवरी	19
फरवरी	22
मार्च	17
अप्रैल	25
मई	24
जून	17
जुलाई	13
अगस्त	01
सितंबर	03
अक्टूबर	01
कुल	142

2024 में दहेज के लिए हुई प्रमुख हत्याएं

ससुराल में जलाई गई बेटी की चिता

04 सितंबर 2024 को हजारीबाग के बरही थाना क्षेत्र के चतरो गांव में शादी के चार महीने के बाद ही 22 साल की प्रीति कुमारी की उसके ससुराल वालों ने हत्या कर दी थी। मृतका के शरीर पर जलने के निशान मिले थे। उसकी एक आंख भी फूटी हुई थी। घटना के बाद आक्रोशित मृतका के मायका वालों ने शव को ससुराल के आंगन में चिता बनाकर जला दिया था।

पेज 03 पर पढ़ें झारखंड में दहेज के लिए हर दिन प्रताड़ित की जा रही तीन महिलाएं



चतरा में दहेज के विवाहिता का मर्डर

13 जून 2024 को चतरा के इटखोरी थाना क्षेत्र में दहेज के लिए विवाहिता को मार डाला गया। मृतक का नाम खुशबू था। परिवारजनों ने एफआईआर में कहा था कि खुशबू का पति सोने की चेन और बाइक के लिए हमेशा मारपीट करता था। ससुराल वालों की डिमांड पूरी नहीं करने पर बेटी को मौत के घाट उतार दिया गया।

झारखंड की बेटी की मुंबई में हत्या

22 सितंबर 2024 को हजारीबाग की 24 साल की नवविवाहिता वर्षा कुमारी की दहेज हत्या का मामला सामने आया था। वह अपने पति के साथ मुंबई में रहती थी। परिवारजनों ने बताया था कि वर्षा ने लव मैरिज की थी। कुछ दिनों तक सब ठीक था। बाद में 10 लाख नकद और चार चक्का गाड़ी की मांग की जाने लगी। उसका पति दहेज के लिए मारपीट करने लगा। अचानक मायका में बेटी की मौत की खबर मिली। जिस दिन हत्या हुई, उस दिन मर्डर से एक घंटा पहले वर्षा ने फोन कर बताया था कि उसके पति ने बुरी तरह से मारपीट की है।

SHARE

सेसेक्स : 79,223.11

निफटी : 24,004.75

SARAF

सोना : 7,440

चांदी : 100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

चंदन गुप्ता मर्डर मामले में 28 दोषियों को उम्रकैद

LUKHNOW : उत्तर प्रदेश के कासगंज में 2018 में एबीवीपी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) कार्यकर्ता चंदन गुप्ता की हत्या के मामले में 28 दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। लखनऊ एनआईए कोर्ट के जस्टिस विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने गुरुवार को 28 आरोपियों को दोषी करार दिया था। इस फैसले के खिलाफ दोषियों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। गुरुवार को मामले में दोषी सलीम कोर्ट में पेश नहीं हुआ था। उसने शुक्रवार को कोर्ट पहुंचकर सराई किया। कासगंज में 26 जनवरी, 2018 को चंदन गुप्ता की हत्या कर दी गई थी। उसकी मौत के बाद कासगंज में दंगे हुए थे। हालात इतने खराब हो गए थे कि प्रशासन को इंटरनेट बंद करना पड़ा था।

छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली डेर

GARIYABAND : छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के नक्सल प्रभावित सोरनामाल जंगल में सुरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) की टीम ने नक्सलियों को घेरा है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों के करीब 300 जवान मौके पर मौजूद हैं। ओडिशा के नरसिंघपुर की ओर से भी जवानों ने घेराबंदी की थी, जिससे नक्सलियों को भागने का मौका नहीं मिला। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद तीन नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं।

AGENCY @ PTI

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आआपा सरकार को 'आप-दा' की संज्ञा देते हुए कहा कि पिछले 10 सालों से राष्ट्रीय राजधानी आपदा से घिरी हुई है। उन्होंने दिल्लीवालों से इसे बदलने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री अशोक विहार में झुग्गी-झोपड़ी वालों के लिए बनवाए गए स्वाभिमान अपार्टमेंट में 1675 फ्लैट की चाबी लाभाधिकारियों को सौंपने के बाद रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में रिमोट का बटन दबाकर राष्ट्रीय राजधानी के

मैं भी 'शीश महल' बनवा सकता था, लेकिन पूरे किए 4 करोड़ लोगों के सपने

● 1675 फ्लैटों की चाबी लाभाधिकारियों को सौंपने के बाद पीएम कर रहे थे संबोधित

● राष्ट्रीय राजधानी को 4500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का दिया तोहफा

● कहा- देश अच्छी तरह जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया



निवासियों को 4500 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का तोहफा दिया। इसमें जेजे क्लस्टर के निवासियों के लिए 1,675

फ्लैट, स्कूल और कॉलेजों से जुड़े प्रोजेक्ट हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अच्छी तरह जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं

बनाया। प्रधानमंत्री ने झुग्गी के बदले फ्लैट पाने वालों से अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि स्वाभिमान अपार्टमेंट गरीबों के

कई घोटालों का किया जिक्र

रूप से कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अना हजारे की आगे रखकर कुछ 'कट्टर बैरमान' लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी को 'आपदा' की ओर धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली पर एक 'आप-दा' की तरह आई है। ये लोग खुलेआम भ्रष्टाचार करते हैं और इसका जश्न भी मनाते हैं। ये और कुछ नहीं, 'चोरी, ऊपर से सीनाजोरी' है। दिल्ली पर 'आपदा' का संकट आ गया है। इसलिए दिल्ली के लोगों ने इस आपदा के खिलाफ जंग छेड़ दी है। दिल्ली एक

सुर में कह रही है, 'आपदा को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे'। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली के मतदाताओं ने दिल्ली को इस आपदा से मुक्त करने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि शराब के टेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला ये लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग छेड़ दी है।

केजरीवाल ने कहा- आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आई



दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आई हुई है। भाजपा के पास न तो सीएम फेस है और न ही एजेंडा। पूर्व सीएम ने कहा- हमने दिल्ली में इतने काम किए हैं कि घंटों तक गिना सकते हैं। अपने 43 मिनट के भाषण में वे (पीएम) कोई काम नहीं गिना पाए। केजरीवाल ने यह पलटवार पीएम मोदी की रैली के डेढ़ घंटे बाद किया।

सुबह में छाया रहा कोहरा, कनकनी ने बढ़ाई लोगों की परेशानी शीतलहर का कहर, 3.3 डिग्री पहुंचा कांके का पारा

आज के बाद न्यूनतम और अधिकतम तापमान में हो सकती है कुछ वृद्धि

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में शीतलहर कहर बरपा रही है। शुक्रवार को सुबह के कोहरे और कनकनी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 24 घंटे तक ठंड से किसी भी तरह की राहत मिलने की संभावना नहीं है। शुक्रवार को पूरा रांची रांची के कांके कपड़ा फिसल कर 3.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। खूंटी का न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस रहा। शनिवार को भी जमशेदपुर और डालटनगंज में भी सुबह कोहरा छाया रहेगा। बादल भी छाए रहने की संभावना है।

पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी के कारण अचानक झारखंड में बढ़ी ठंड



अगले 24 घंटों का तापमान

अगले 24 घंटों में रांची का न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेंटीग्रेड रहने का अनुमान है। जमशेदपुर का उच्चतम तापमान 26 और

न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस अनुमान है। डालटनगंज का अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेंटीग्रेड रहने का अनुमान है।

रांची में अभी नहीं मिलेगी राहत

मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी का असर झारखंड में भी दिख रहा है। हवाओं ने झारखंड में ठंड बढ़ा दी है। मौसम विभाग का कहना है कि 4 जनवरी को सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा या धुंध रहने की संभावना है। इसके बाद आसमान साफ हो जाएगा।



कोयला चोरी मामले में ईडी को प्रतिवादी बनाने के आदेश के खिलाफ याचिका खारिज

RANCHI : धनबाद में कोयला चोरी और इसमें पुलिस सिलसता की सीबीआई जांच के झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में

● सीबीआई जांच के खिलाफ झारखंड सरकार की एसएलपी पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

ईडी के जवाब का 4 सप्ताह में हेमंत सोरेन को देना है प्रतिउत्तर



PHOTON NEWS RANCHI :

सीएम हेमंत सोरेन द्वारा समन की अवहेलना के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मामले को निरस्त करने का आग्रह करने वाली याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। पीएमएलए कोर्ट के संज्ञान आदेश को सीएम हेमंत सोरेन की ओर से हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। मामले में सीएम हेमंत सोरेन की ओर से ईडी के जवाब (प्रतिशपथ पत्र) पर प्रतिउत्तर दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय देने का आग्रह किया। कोर्ट ने आग्रह स्वीकार करते हुए चार सप्ताह का समय हेमंत सोरेन को प्रदान किया। सीएम हेमंत सोरेन की ओर से ईडी द्वारा दर्ज शिकायतवाद को निरस्त करने का आग्रह हाई कोर्ट से किया गया है, जिसमें हेमंत सोरेन की ओर से कहा गया है कि ईडी के जिस समन पर नहीं गए थे, उसका उन्होंने जवाब दे दिया था। इसके बाद वह समन लैप्स कर गया था।

● समन की अवहेलना के मामले में झारखंड हाई कोर्ट में हुई सुनवाई

● एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे केस को निरस्त करने का किया है आग्रह

● बताया- ईडी ने दुर्भावना से प्रेरित होकर धार-बार जारी किया था समन

गंभीर चिंता ग्राउंड वाटर में नाइट्रेट की मात्रा का बढ़ना सेहत के लिए खतरनाक

अब बीमारियां पैदा करने लगा धरती के भीतर का पानी

PHOTON NEWS RESEARCH DESK :

हमारे पीने के पानी का मुख्य स्रोत धरती के अंदर का जल है। अगर इस पानी का नेचर बदलता है और इसमें प्रदूषकों की मात्रा बढ़ती है, तो यह सेहत के लिए खतरनाक है। ऐसी ही स्थिति पैदा हो रही है और इससे निपटने का कारगर साधन हमारे पास नहीं है। हाल के विशेष अध्ययन में यह पाया गया है कि ग्राउंड वाटर में नाइट्रेट की मात्रा सीमा से अधिक होने की वजह से यह कई प्रकार की बीमारियां पैदा करने लगा है। भारत के 440 जिलों के भूजल में नाइट्रेट का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक पाया गया है। नाइट्रेट का उच्च स्तर गंभीर स्वास्थ्य समस्या पैदा कर रहा है। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2024 में इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट बताती है कि पानी में नाइट्रेट प्रदूषण मुख्य रूप से नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों और पशु अपशिष्ट के अनुचित निपटान के कारण होता है। यह प्रदूषण पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक है।

तुलनात्मक रूप से झारखंड और बिहार के जल में कम पाया गया नाइट्रेट प्रदूषण नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के अधिक प्रयोग की वजह से बढ़ रही समस्या



सीजीडब्ल्यूबी की वार्षिक भूजल गुणवत्ता संबंधी रिपोर्ट में सच्चाई का हुआ खुलासा

देश के 440 जिलों के भूजल में नाइट्रेट का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक

9.04 फीसद नमूनों में पलोराइड का स्तर भी पाया गया है ज्यादा

प्रदूषित पानी के कारण बढ़ रहे कैंसर और किडनी की खराबी के मामले, हड्डी और त्वचा से जुड़े रोगों के मामलों में भी हो रहा इजाफा

तमिलनाडु, कर्नाटक और राजस्थान में 40 फीसद से अधिक पानी के नमूने सुरक्षित सीमा से अधिक पाए गए। महाराष्ट्र में पानी में नाइट्रेट के प्रदूषण की यह दर 35.74 फीसदी, तेलंगाना में 27.48 फीसदी, आंध्र प्रदेश में 23.5 फीसदी और मध्य प्रदेश में 22.58 में भी उच्च स्तर तक दर्ज की गई। इसके उलट उत्तर प्रदेश, केरल, झारखंड और बिहार में पानी में नाइट्रेट प्रदूषण के कम मामले पाए गए। पूर्वोत्तर राज्यों जैसे अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, मेघालय, मिजोरम और नगालैंड में सभी पानी के नमूने सुरक्षित सीमा के भीतर पाए गए। राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में नाइट्रेट का स्तर 2015 से स्थिर बना हुआ है।

25% कुओं का अध्ययन

रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है कि पानी के 9.04 फीसद नमूनों में पलोराइड का स्तर सुरक्षित सीमा से ज्यादा था, जबकि 3.55 फीसद में असीनिक प्रदूषण पाया गया। सीजीडब्ल्यूबी ने मई 2023 में भारत भर के 15,259 जगहों पर भूजल की गुणवत्ता की निगरानी की। इनमें पानी के सबसे अधिक दूषित होने के खतरे वाले 25 फीसद कुओं का विस्तार से अध्ययन किया गया। यह कुएं भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की तय सीमा 10,500 के अनुसार सबसे अधिक खतरे वाले स्थानों के तौर पर देखे गए।

कांग्रेस को भारी पड़ेगी स्मारक पर ओछी राजनीति

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 साल की आयु में दुखद निधन हो गया। सामान्यतः ऐसे समय में परिजनों और नजदीकी लोगों की प्राथमिकता होती है कि मृतक को सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी जाए। इस सामान्य शिष्टाचार और नैतिकता को दफ़्तरि़न कर कांग्रेस और उसके कई सहयोगी दलों ने मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर राजनीति शुरू कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे के पत्र का जवाब देते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाया जाएगा। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता सरकार पर डॉ. मनमोहन सिंह के अपमान के आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो सोशल मीडिया पर इसे सिखों के अपमान से जोड़ दिया। इस तरह एक बार फिर स्तरहीन राजनीति करके कांग्रेस ने कई पुरानी घटनाओं की याद ताजा कर दी है। अगर सियासी नजरिए से देखा जाए, तो इसका भी कांग्रेस को कोई लाभ की अपेक्षा नुकसान होने की संभावना ज्यादा दिख रही है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस के बड़े नेताओं में शोक से ज्यादा आक्रामकता का भाव दिखाई दे रहा है। उनके निधन के तुरंत बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यमुना के किनारे जगह देने और उनका समाधि स्थल बनाने के मांग की थी। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष को बता दिया था कि वे चाहते हैं कि डॉ. मनमोहन सिंह जी का स्मारक बनाया जाए, लेकिन इसके लिए भूमि के आवंटन और ट्रस्ट बनाने आदि की औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। इसलिए पहले उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कर दिया जाए। मल्लिकार्जुन खड्गे उनकी बात से सहमत हो गए। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार पर आरोप लगाने का कोई भी अवसर न छोड़ने की जिद ठाने बैठे नेता इस दुखद घटना का राजनैतिक लाभ उठाने के प्रयास में जुट गए। ऐसा लगता है कि हमारे देश के कुछ नेता प्राकृतिक आपदा, आतंकी हमला, महिलाओं से बलाकत्त से बलाकत्त की बातें कर कि अपने नेता के निधन को भी राजनैतिक अवसर के तौर पर देखने लगे हैं। यह जानते हुए भी कि जगह की कमी को देखते हुए दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं के अलग-अलग स्मारक बनाने पर मनमोहन सिंह की सरकार ने ही रोक रोक लगाई थी, इस पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। दरअसल 16 मई 2013 को शहरी विकास मंत्रालय की ओर से एक नोट जारी किया गया था। इस नोट में कहा गया था कि संग्रम सरकार की कैबिनेट ने जगह की कमी को देखते हुए राष्टघाट पर राष्ट्रीय स्मृति स्थल के नाम से साझा स्मारक स्थल बनाने का फैसला किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करके मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार कराकर सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अपमान किया है। उन्होंने इसे सिख धर्म से जोड़ते हुए यहां तक कहा कि वह देश के पहले सिख प्रधानमंत्री थे। लेकिन, इन दोनों ही विषयों को उठाकर राहुल गांधी ने एक बार फिर खुद को कटघरे में खड़ा कर लिया है। मनमोहन सिंह का राहुल गांधी कितना सम्मान करते थे ये लोगों ने उस समय देखा, जब उन्होंने पत्रकार वार्ता के दौरान सरकार के अध्यादेश को फाड़कर फेंक दिया था। दरअसल, न्यायालय से सजा प्राप्त व्यक्ति की संसद सदस्यता समाप्त करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश को निष्प्रभावी करने के लिए मनमोहन सिंह की सरकार ने वर्ष 2013 में अध्यादेश जारी किया था। कांग्रेस के मीडिया और संचार प्रमुख अजय माकन प्रेस क्लब में अपनी नियमित प्रेस वार्ता में पत्रकारों के सवालों के जवाब दे रहे थे और इस अध्यादेश पर सरकार का बचाव कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी नाटकीय अंशज में वहां आते हैं। अपने लगभग दस मिनट के संबोधन में वे इस अध्यादेश को बदवास बताते हुए कहते हैं कि इसे फाड़कर फेंक देना चाहिए। इसके बाद वह इसकी एक प्रति को सार्वजनिक तौर पर फाड़कर वहां से चले जाते हैं। हालांकि प्रेस क्लब में मौजूद पत्रकार उनसे जानना चाहते हैं कि इस तरह का व्यवहार करके क्या वह मनमोहन सिंह की सरकार को कमजोर नहीं कर रहे। लेकिन, वे पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब दिए बिना वहां से उठ कर चले गए। जिस समय संग्रम सरकार की कैबिनेट द्वारा पास किए गए अध्यादेश को राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से फाड़ा, उस समय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह देश में नहीं थे। वह विदेश यात्रा पर गए हुए थे। राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह को देश का पहला सिख प्रधानमंत्री बताते हुए इस मामले को सिख धर्म से भी जोड़ने का प्रयास किया है। लेकिन,उन्हें 1984 में सिखों के खिलाफ हुई भीषण हिंसा को याद रखना होगा। कांग्रेसियों ने निर्ममता पूर्वक सिखों की हत्या की। सिख विरोधी दंगों के आरोप में कांग्रेस के कई बड़े नेता आज भी फंसे हुए हैं। लेकिन, इस सबसे शर्मनाक बात ये है कि जब राहुल गांधी के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से इस संबंध में सवाल पूछा गया तो उन्होंने निलंज्जता पूर्वक कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती हिलती ही है। उनका यह जवाब सिखों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। गांधी परिवार के बाहर के नेताओं को यथोचित सम्मान न देने के आरोपों से कांग्रेस पहले से ही घिरी हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के निधन के बाद दिल्ली में उनके अंतिम संस्कार की अनुमति नहीं दी गई। इतना ही नहीं, नरसिम्हाराव के अंतिम दर्शन के लिए उनका पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय में नहीं रखने दिया गया।

नए साल में भारत के विकास की असीम संभावनाएं



✍ आर. के. सिन्हा

अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन तेजी से विकसित किए जा रहे हैं। 2025 तक भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी। भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक भारत में डिजिटल लेन-देन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा, इसकी उम्मीद है, जो तेज़ रफ़्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है।

भारत के लिए नूतन वर्ष 2025 कई क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियों का बड़ा तोहफा देने वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतृत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसी तरह भारत विश्व भर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण के केंद्र भी बन सकता है, जहां पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के खान-पान, स्थानीय कुटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पढ़े-लिखे बढ़िया अंग्रेजी जानने वाले विद्यमान हैं, जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने के अनूपम अवसर बन रहे हैं। अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन तेजी से विकसित किए जा रहे हैं। 2025 तक भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी। भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है। 2025 तक भारत में डिजिटल लेन-



देन की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा, इसकी उम्मीद है, जो तेज़ रफ़्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबूत हो सकता है, जो डेटा सुरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही भारत दुनिया के सबसे बड़े सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका है। 2025 तक यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक कई संगठन क्लाउड आधारित समाधानों को अपनाएंगे, जो लचीलापन और कम लागत पर असीमित क्षमता प्रदान करेंगे। नए साल में डेटा एनालिटिक्स में कुशल और अधिक प्रगति करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। नितिन गड्कार की व्यापारिक निर्णय लेने में मदद करेंगे। आप मानकर चल सकते हैं कि नूतन साल में आईटी पेशेवरों

की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तक यह क्षेत्र और अधिक कुशल और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित कर सकता है। सरकार और निजी क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक यह प्रवास युवाओं को नए आईटी कौशल सीखने और रोजगार के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं। अब मेक इन इंडिया की बात। यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित करने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना रही है। 2025 तक भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स, और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। रक्षा विनिर्माण में भी सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने पर जोर दे रही है। घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 तक भारत रक्षा उपकरणों का एक प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। नितिन गड्कार के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को

विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक देश में बेहतर परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सरकार शहरों को अधिक रहने योग्य और कुशल बनाने के लिए काम कर रही है। 2025 तक स्मार्ट शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे, जल आपूर्ति, स्वच्छता और सार्वजनिक परिवहन जैसी सुविधाएं होंगी। आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और सभी के लिए एक्सेस को सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 तक भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार की उम्मीद है, जिसमें बेहतर अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं की पहुंच शामिल है। भारत में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़

विश्व बंधुत्व की भावना से ही बनेगा वैश्विक परिवार

माहात्मा गांधी के पसंदीदा भजन- वैष्णव जन तो तेने कहिए जे पीड़ पराई जाणे रे अर्थात् दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है- इसे भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जो हमेशा से सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है। दुनिया के किसी भी देश में केसा भी संकट आया हो, भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई दिवस सही मायने में मनाता है, तो वह भारत ही है। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। वैश्विक परिवार का अर्थ है वसुधैव कुटुम्बकम इसका मूल सिद्धांत यह है कि संपूर्ण मानवता

एक परिवार है। इस विचारधारा के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी राष्ट्र, जाति, या धर्म से हो, एक ही व्यापक परिवार का हिस्सा है। इस सिद्धांत के अनुसार, विश्व में सभी का समान सम्मान मिलना चाहिए। दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो, ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सके। जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में

वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है। यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है। इसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं। एक खुशहाल परिवार वह परिवार नहीं है, जिसमें हर कोई एक दूसरे के जैसा सोचता, काम करता, महसूस करता या व्यवहार करता हो। एक खुशहाल परिवार की एक पहचान यह है कि पूरा परिवार एक दूसरे को वैसे ही स्वीकार करता है। यह दिन पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। वैश्विक परिवार दिवस को शांति और साझाकरण के वैश्विक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य

बहुसंस्कृतिवाद, बहुलवाद को बढ़ावा देना और शांति और सद्भाव के साथ एक दूसरे के साथ रहना सिखाना है। यह दिन विश्व के एक वैश्विक परिवार होने के विचार को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य एकजुट होना और इस विचार को बढ़ावा देकर शांति का संदेश फैलाना है कि पृथ्वी एक वैश्विक परिवार है, ताकि दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाया जा सके। वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 1 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्री आइलैंडरू ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 1 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने काफ़ी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार

नए वर्ष में अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां

नए वर्ष की दस्तक के साथ नई उम्मीदों का परवान चढ़ना बहुत स्वाभाविक है। चूंकि पिछला साल और उससे पिछले के कुछ साल भू-राजनीतिक ढांचे में खासी हलचल मचाने वाले रहे, इसलिए इस साल से सबसे बड़ी उम्मीद तो यही है कि दुनिया में स्थायित्व एवं स्थिरता का भाव बढ़े। पिछले साल का सरसरी तौर पर एक सिंहावलोकन करें तो पाएंगे कि कई देशों में चुनाव से लेकर तख्तापलट के नाम रहा 2024 बड़े उतार-चढ़ाव से गुजरा। यूरोप से लेकर एशिया और दक्षिण अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक राजनीतिक वर्ग जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा। कई वैश्विक नेताओं को साख के संकट का सामना करना पड़ा। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की नाटकीय रूप से सत्ता में वापसी और सीरिया में बशर अल-असद के दशकों से स्थापित शासन का पतन जैसे अलग-अलग राजनीतिक रंगों को देखते हुए यह कहना लगत नहीं होगा कि वैश्विक ढांचा दूसरे विश्व युद्ध के बाद से सबसे नाजुक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस साल से बड़ी उम्मीदें हैं। दुनिया के अलग-अलग कोने संपर्त का मैदान बने हुए हैं। यह कोई दबी-छिपी बात नहीं कि किसी भी युद्ध की बड़ी भारी कीमत चुकानी पड़ती है। राजनीतिक, आर्थिक एवं नैतिक सभी स्तरों पर इसका असर पड़ता है। जो लोग प्रत्यक्ष रूप से युद्ध का हिस्सा नहीं होते, वे भी किसी न

किसी रूप में उससे प्रभावित होते हैं। विकसित देशों में लंबे समय से यह धारणा स्थापित हुई कि सुदूर लंदे जाने वाले युद्धों से उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बीता साल उस धारणा को ध्वस्त करने वाला सिद्ध हुआ। ऐसे में स्वाभाविक है कि स्थायित्व एवं स्थिरता के लिए इस साल कुछ नया गुणा-गणित करना होगा। इसकी आवश्यकता इसलिए भी कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का नए सिरे से बढ़ना चिंताजनक है। इस कड़ी में विशेषकर पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों का रूस-चीन जैसी अधिनायकवादी शक्तियों के साथ संपर्क तो बढ़ा ही है, यूरोप एवं पश्चिम एशिया में युद्ध के नए मोर्चे भी बन गए हैं। इसने शीत युद्ध के उपरांत उदात्त लोकतांत्रिक स्थायित्व से जुड़े आशावाद को चुनौती दी है। इस रूझान ने वैश्विक ढांचे के नाजुक पहलुओं को रेखांकित करने के साथ ही परस्पर आर्थिक निर्भरता और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को भी सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। पारंपरिक सत्ता-शक्ति वाली राजनीति की वापसी ने यही दर्शाया है कि वैचारिक एवं भू-राजनीतिक टकरावों की गुंजाइश अब भी कायम रहे हैं। यह वही राजनीति है जो सेना के जरिये सीमाओं को नए सिरे से खींचने में विश्वास रखती है। तकनीकी प्रगति भी सैन्य रणनीतियों से लेकर युद्ध क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर रही है। नए वर्ष की शुरुआत एक ऐसे समय पर

हो रही है, जब दुनिया भू-राजनीति की शक्तियों के विभिन्न पहलुओं के अनुरूप ढल रही है। यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास टकराव, प्रमुख व्यापारिक सामुद्रिक मार्गों के समक्ष उत्पन्न हो रहे खतरों से लेकर स्वाभाविक रूप से चीनी चुनौती दुनिया भर के नीति निर्माताओं को अपनी नैया पार लगाने के लिए नए चरणों से नीतियां बनाने की ओर उन्मुख कर रही हैं। वर्तमान स्थितियां ऐसी हैं, जो आर्थिक पहलुओं के जरिए वैश्विक राजनीति को प्रभावित करने वाली अवधारणा को लेकर पुनर्विचार करने पर मजबूर कर रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप का उभार इसी का संकेत है, जो वैश्वीकरण के असमान फायदों का राग अलाप रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी राजनीति की धारा को इस मुद्दे के जरिए नाटकीय रूप से बदल भी दिया। आर्थिक एवं रणनीतिक मोर्चे पर ट्रंप का पहला कार्यकाल शेष विश्व के साथ अमेरिका की सक्रियता-सहभागिता के स्तर को नए सिरे से निर्धारित करने वाला रहा था। अमेरिकी राजनीति का इस कदर अंतर्मुखी होते जाना शेष विश्व के लिए एक चेतावनी भरी खतरे की घंटी है, जो वैश्विक सुरक्षा के प्रमुख गारंटर के रूप में अमेरिका पर हद से ज्यादा निर्भर रहा है। एक ऐसे समय, जब बड़ी शक्तियों के साथ वैश्विक समुदाय का मोहभंग हो रहा है, तब ग्लोबल साइथ यानी विकासशील देशों की भूमिका स्वतः महत्वपूर्ण हो जाती है।

जॉर्जिया की राजनीति

जॉर्जिया के राष्ट्रपति के रूप में पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी मिखाइल कवेलशविली के शपथ ग्रहण से इस कोकेशियन देश में राजनीतिक संकट गहरा सकता है। यह देश लगातार सड़कों पर विरोध प्रदर्शन और दमनात्मक कार्रवाइयों से खूबसूरत रहा है। एक रूढ़िवादी नेता और पश्चिमी देशों के आलोचक कवेलशविली का देश के विपक्ष और उनके पूर्ववर्ती सैलोम जौराबिचविली ने विरोध किया था। पहले कवेलशविली का कोई शपथ ग्रहण नहीं होगा सरीखा वक्तव्य देने वाली सुश्री जौराबिचविली ने उनके शपथ ग्रहण को एक हास्यानुकृति बताते हुए स्वेच्छा से पद छोड़ने का एलान किया। बाद में वह संसद के बाहर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। संकट के ताजा दौर का सिरा अक्टूबर में हुए विधायी चुनावों तक जाता है। पश्चिमी देशों पर संदेह करने वाली और रूस एवं चीन के साथ मजबूत रिश्तों की पैरोकारी करने वाली विदेश नीति की हामी सत्तारूढ़ रूढ़िवादी जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी इन चुनावों में जीत पाई। विपक्ष ने चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया और दोबारा चुनाव करने की मांग की, लेकिन जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी सरकार बनाने की दिशा में आगे बढ़ गई। चुनाव की वैधता पर सवालिया निशान लगाने वालों में पश्चिमी देशों की समर्थक सुश्री जौराबिचविली भी शामिल थीं। चुनावों की सत्यता को चुनौती देने वाले सरकार विरोधी प्रदर्शनों को मौजूद राष्ट्रपति का समर्थन गहरे राजनीतिक विभाजन का सबूत है। लेकिन, इन सबसे बेपरवाह सत्तारूढ़ दल ने निर्वाचक मंडल की एक नई प्रणाली के तहत कवेलशविली को राष्ट्रपति के रूप में चुना। इस निर्वाचक मंडल में संसद और अन्य क्षेत्रीय व स्थानीय विधानसभाओं के सदस्य शामिल थे। जॉर्जिया का संकट सत्तारूढ़ दल और उसके विरोधियों के बीच एक राजनीतिक रस्साकशी जैसा दिखता है। लेकिन, वास्तविक स्थिति इससे ज्यादा जटिल है। पूर्व सोवियत संघ का एक गणराज्य रहे जॉर्जिया की सीमाएं रूस के साथ लगती हैं और इसकी अवस्थिति रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

Social Media Corner

सब के हक में...

झारखंड की माटी के लाल, सविधान सभा के सदस्य और पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मरड गोमके जयापाल सिंह मुंडा जी की जयंती पर शत-शत नमन। मरड गोमके जयापाल सिंह मुंडा जी को सम्मान देते हुए अबुआ सरकार द्वारा ओवरसीज स्कॉलरशिप योजनाओं को चलाया जाता है जिसमें वरिष्ठ समाज के युवा हरे वर्ष विदेश में प्रति प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा लेते हैं।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

भाजपा भारत के युवाओं का बिल्कुल एकलव्य जैसा अंगुठा काट रही है, उनका भविष्य मिटा रही है। सरकारी भर्ती में पिछलता बढ़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो एग्जाम समय पर नहीं होते। एग्जाम हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं। और जब युवा ज्यादा मांगते हैं तब उनकी आवाज को बेहमी से कुचला जाता है। हाल ही में यूपी और बिहार की घटनाओं के बाद अब मध्यप्रदेश में एमपीपीएससी में हुई गड़बड़ी का विरोध कर रहे दो छात्रों को जेल में डाल दिया गया है। वो भी तब जब मुख्यमंत्री ने खुद छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। इखद की सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ा है और लोकतांत्रिक णणाली का गला घोट्टा है। छात्रों के अधिकार की लड़ाई में हम उनके साथ हैं। भाजपा को देश के युवाओं के हक की आवाज किसी कंमत पर दबाने नहीं देंगे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

MSP & policy alternatives for a fragile sector

THREE farm laws enacted by Parliament for improvement in the agricultural marketing system led to the eruption of farmers’ protests in August 2020. After prolonged agitation, the government repealed these laws in November 2021, but the farmers have once again resumed the protest, alleging that the government has failed to fulfil their demands, including that of a guaranteed minimum support price (MSP) for all crops.

Declining agricultural incomes, rising production costs and shrinking employment opportunities have exacerbated the Indian agricultural crisis. It is impacting small and marginal farmers and agricultural labourers disproportionately. For millions of farmers, MSP is a beacon of hope, promising a reasonable return on their toil.

The high-level committee constituted by the Supreme Court of India, while sounding an alarm over the country’s agricultural crisis, has echoed the sentiments of the protesting farmers in recommending a loan waiver for farmers and the legal recognition of MSP to protect their income.

Historically, the MSP was introduced in 1965-66 to achieve increased foodgrain production by encouraging the adoption of high-yielding varieties of wheat and rice. It is an administered price of agricultural produce fixed by the Union Government for its purchase from farmers for the public distribution system (PDS) and to ensure that they get a reasonable margin on the cost of production. It also protects the farmers against a distress sale due to a drop in output prices during gluts. However, more than 60 per cent of India’s population relies primarily on agriculture for its livelihood despite the sector contributing less than 20 per cent to the nation’s economic output. Unfortunately, the underlying core issues of the agricultural crisis have been pushed under the carpet due to the farmers’ protests for a legally binding MSP. A legally binding MSP is necessary to make farming a more stable and successful business as no one will be able to purchase farm produce below this price, and doing so would be punishable by law.

The Standing Committee of Parliament on Agriculture, Animal Husbandry and Food Processing has also recently recommended the implementation of legally binding MSP for (a) safeguarding farmers’ livelihoods, promoting rural economic growth, and enhancing national food security; (b) stimulating economic activity in these areas and benefiting local businesses and economies; and (c) providing an assured income to farmers to encourage them to invest in agricultural practices, potentially increasing farm productivity and sustainability. However, the MSP is only a part of the problem and farmers will still be struggling for optimum income due to small-sized and highly fragmented landholdings, increasing production costs, lack of demand-driven production and depleting natural resources, namely soil health and water, including groundwater.

Despite its appeal to the farmers, the guaranteed MSP may incentivise them to produce more without paying attention to the market demand and may increase the expenditure of the government and divert funds away from other crucial investments. The purchase of the surplus produce beyond the need for buffer stocks will lead to its offloading to the general public at a discount or losses during storage, causing a financial loss.

Further, the MSP also got tied up in the web of vote-bank politics to garner public support during the recent elections in Madhya Pradesh, Rajasthan and Chhattisgarh. These states fixed prices higher than the MSP fixed by the Union Government. Accordingly, apart from a guaranteed MSP, a comprehensive policy to address these concurrent concerns is required to put the agricultural sector back on the high growth path. A new policy alternative may be to provide a region-specific rather than a pan-India universal MSP.

Close ranks to fortify the republic

The collective will of people is needed to safeguard India’s interests

WITH the onset of the year in which the Indian republic will celebrate 75 years of its establishment, the fervent hope of the majority of its citizens is for social peace and harmony. This can only be achieved if there is a realisation that the path to right the ‘wrongs of history’ lies through cementing a common nationhood that is respectful of the traditions and faiths of all Indians. That acceptance and respect are also the premise and promise of the republic’s foundational principle, so eloquently expressed in the Constitution. A deviation from this basic constitutional proposition will damage India’s capability to successfully navigate the enormous strategic challenges that are growing because of the technological changes underway in a turbulent global environment. The regional situation, too, presents difficulties that can be ignored only at the peril of hurting national interests. And, for India, the key country connecting its regional and global challenges is China. China’s threat goes far beyond the border issue. A process of ‘normalising’ the relationship, which was acutely impaired by China’s actions in eastern Ladakh in the summer of 2020, may now have begun. The Ministry of External Affairs’ readout of the Narendra Modi-Xi Jinping meeting on the sidelines of the BRICS summit in October last year noted, “The two leaders affirmed that stable, predictable and amicable bilateral relations between India and China, as two neighbours and the two largest nations on earth, will have a positive impact on regional and global peace and prosperity. It will also contribute to a multipolar Asia and a multipolar world”. However, whatever China may agree to during formal summit-level meetings, it is working for, at least, a bipolar world order and is assiduously seeking a unipolar Asia in which its power and influence prevail. And, the backbone of both these quests lie not only in its economic success and growing military power but also its undoubted and deep advances in the areas of science and high technology.

In 2018, Tim Cook, CEO of Apple, had said, “The popular conception is that companies come to China because of low labour costs. I’m not sure what part

of China they go to, but the truth is that China stopped being the low-labour-cost country years ago. And that is not the reason to come to China from a supply point of view. The reason is because of the skill, and the quantity of skill in one location and the type of skill...” He went on to say that the products that were Apple’s requirement needed advanced tooling capable of working with state-of-the-art material. He added, “That tooling skill is very deep here. In the US, you could have a meeting of tooling engineers and I’m not sure we could fill the room. In



China, you could fill multiple football fields...”

That was over six years ago. China’s drive to develop human capital in the areas of frontier manufacturing continues relentlessly. It is, however, not satisfied with becoming the factory of the world. It is now seeking to reach US and Western European levels in design and innovation in large frontier technology sectors, including artificial intelligence (AI). Till recently, it was commonly and correctly believed that in AI, the US excelled in ‘technical innovation’ while Chinese companies were competent at ‘application innovation’. There was generally a gap of one or two years before the application occurred. However, the Chinese are now realising that there is a fundamental difference between ‘technical innovation’ and thereafter applying it. Hence, Chinese companies like DeepSeek have come up; they are going rapidly ahead in ‘technical innovation’. They do not wish to be followers

anymore. This will pose a challenge to US supremacy in AI, which is destined to change the world. The US will pose impediments in China’s path, but will it succeed? It is difficult to predict how deep and extensive will be the transformation of individual lives and international power equations, but it is certain that this will happen, and that too early. Where does India stand in all this and other frontier and emerging areas of science and technology (S&T)? The truth is that while India’s economic growth has led it to become the fifth largest global economy, there is a wide and perhaps growing gap in S&T not only with the West but also with China. Jawaharlal Nehru was acutely aware that European domination of the world, beginning with the 18th and 19th centuries that led to all the horrors of colonialism in Asia, Africa and South America, had occurred because of its Industrial Revolution. Hence, his determination that India should catch up in S&T, both in terms of human capital and industrialisation. In this context, it is good to become aware of the advances Indians had made in S&T in ancient times and convey that to the world, but is that really the path to becoming a strong and powerful country — a genuine pole in a multipolar world? The answer is obvious. All the digging out of glories from our ancient past, which was ravaged by invaders, will not help us meet the challenges of today. They may satisfy emotional urges of certain sections of the people, and their long-standing feelings of hurt and anguish may be addressed too, but they will not address the strategic threat that the country faces from China. In the current year and beyond, China’s involvement in India’s immediate neighbourhood will only increase. Its intrusion in India’s western neighbourhood, substantial for decades, will continue. The situation in Bangladesh is ripe for its pernicious intervention and it will increase its presence in the Indian Ocean Region.

In such circumstances, it is the collective will of cohesive people — shedding prejudices, not dwelling on the past but taking India forward to become a leader in S&T innovation and applications and strong in defence — that is needed to safeguard India’s interests.

Children in peril

Kapurthala trafficking case a wake-up call

A country aspiring to become ‘Viksit’ (developed) by 2047 has a job to do right now — protect its children from traffickers and middlemen. Otherwise, these kids — the nation’s future — would be left psychologically scarred for life. A horrifying case has been reported from Punjab’s Kapurthala district. Eleven children, now rescued by the police, were made to work on a potato farm as enslaved labourers. Two agents who allegedly trafficked the children from Bihar are also accused of sexually abusing one of them and pushing her into prostitution. The incident has come to light days after a businessman running a packaging company in Maharashtra’s Thane district was booked for allegedly making children work as labourers. Unfortunately, kids remain vulnerable to exploitation even though there are myriad laws aimed at ensuring deterrence. The Child and Adolescent Labour



(Prohibition and Regulation) Act, 1986, prohibits the employment of children below 14 years in any occupation; those in the age group of 14 to 18 years

cannot be forced to work in hazardous occupations where their health and safety are at risk. The Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act and the Protection of Children from Sexual Offences Act have strict provisions as well, but enforcement leaves a lot to be desired. Timely response to complaints about child labour holds the key to curbing this scourge. Synergy between Central and state governments — and among the states too — is another prerequisite. In many cases, it’s poverty that drives parents to take desperate measures. They force their kids into labour to support the family; this not only disrupts the children’s studies but also exposes them to the big, bad world. Targeted welfare schemes must go hand in hand with efforts to strengthen the justice delivery system. Let no one’s childhood be ruined, for that would be a great loss to the entire nation.

Navigating Bangladesh’s internal strife & external pressures

While India should not get involved in the internal affairs of Bangladesh, it should continue to provide Hasina asylum.

DESPITE facing a strange and virtual US-China alliance during its birth in 1971, Bangladesh has had a record of rapid economic growth in recent years. Also, notwithstanding the uncertainties and frequent natural disasters since its independence in 1971, it has witnessed a robust economic growth and poverty reduction. One of the world’s poorest nations at birth, it reached the lower-middle income status in 2015.

In the meantime, its former PM Sheikh Hasina has recently sought refuge in India after being threatened with arrest by the local “authorities”, headed by an interim administration led by a US-educated agriculturist and Nobel Prize recipient, Muhammad Yunus. Yunus and the Bangladesh Grameen Bank were awarded the Nobel Peace Prize in 2006, for their work to “create economic and social development from below.” Established in 1983, the bank’s objective has been to grant poor people small loans on easy terms, also known as ‘micro-credit’.

Sheikh Hasina, now living in exile in India, has seen her father Sheikh Mujibur Rahman killed in a bloody military coup in 1975. He had led his people to freedom and democratic rule in 1971. Both the US and China appear to have had a distrust and dislike for Sheikh Mujib and his daughter.

Hasina, who was naturally friendly to India, had faced the none-too-friendly feelings displayed by the then blossoming anti-Soviet alliance of the US and China. She was succeeded by regimes not exactly friendly to India. Things, however, changed with time. If Sheikh Mujib faced US and Chinese hostility in the 1970s, his daughter and successor appears to be facing a similar situation today. Today, the US and China are not exactly the best of friends, as they were

in the early 1970s.

Despite facing a US-China opposition, Hasina has had a track record of commitment to her country’s strategic autonomy, economic growth and secularism. She has also not forgotten India’s role in the liberation of her country from Pakistani military excesses. Bangladesh is now facing a situation where the US-backed Yunus has become a key player in the country’s leadership. It is no secret that Yunus has strong pro-American leanings, which have helped in him being appointed head of the Bangladesh government recently. Interestingly, Hasina’s ouster evidently has the backing not only the Biden administration but also its rival China. What is also interesting is that both China and the US appear to share identical views on the appointment of Yunus as her successor. It needs to be borne in mind that Yunus has high political ambitions. There is no doubt that a concerted effort has been made, including by the US and China, to discredit Hasina. This effort ignores the economic progress that Bangladesh achieved in the years when Hasina headed the government. Moreover, it is for the people of Bangladesh, and not foreign powers, to both determine its leadership or undermine an elected government.

Bangladesh is the largest development partner of India today. New Delhi has provided it three lines of credit, amounting to \$8 billion, for the modernisation and development of such sectors as shipping, ports, roads



and railways. China and Pakistan are, by all accounts, determined to curb and limit India’s influence across the Indian Ocean, through which oil supplies flow from the Strait of Hormuz to the Strait of Malacca and beyond. As the Trump administration assumes charge, India must hold a comprehensive dialogue with the US and other like-minded countries across the Indo-Pacific region. This is needed to ensure the security of its sea lines of communication. India is, meanwhile, developing its maritime capabilities in weapons systems, ranging from aircraft carriers and warships to missile power. This enables it to cooperate with the US, Japan and other like-minded

countries, as also, most importantly, countries in the Persian Gulf.

Insecurity and instability across this region can have serious implications for global energy supplies. Prime Minister Narendra Modi’s interest in this region is evident from his recent visit to Kuwait.

Looking back, it was the budding Nixon-Mao-General Yahya Khan alliance of the US, Pakistan and China in 1971 that led to a virtual genocide in Bangladesh and the flow of an estimated 10 million refugees from the then East Pakistan into India. It was Sheikh Mujibur Rahman who led the freedom struggle of Bangladesh. One also recalls that the then Prime Minister Indira Gandhi had no interest in keeping the Indian forces deployed indefinitely in Bangladesh. She was, however, shocked at the brutal assassination of Sheikh Mujib.

Things have moved on significantly since then, but India would need to obtain US support to contain a possible Chinese thrust into Bangladesh. China has recently strengthened access to the Bay of Bengal at the Kyaukphyu deep sea port in Myanmar. While India should not get involved in the internal affairs of Bangladesh, it should continue to provide Hasina asylum. It should work with the US and others to see that Bangladesh strengthens its democratic institutions and holds free and fair elections in which Hasina and her party men are also free to participate.

IT companies may report surge in Q3 revenue growth

BENGALURU. Though there will be seasonal furloughs, IT services firms are likely to perform better and will report improvement in growth momentum in the third quarter of this financial year. Starting next week, IT firms will announce their December quarter results. The country's largest IT services firm Tata Consultancy Services will report its Q3 results on January 9 and the board will consider and approve the third interim dividend for FY25. The record date for dividend will be on January 17. Emkay Global Financial Services in its research report said recovery in BFSI will aid growth, while weakness in manufacturing, mainly auto, is likely to weigh on growth. "BFSI is showing signs of healthy recovery, but uncertainties remain on pace of recovery in other verticals. Seasonal furloughs and lower working days should keep revenue growth muted on a QoQ basis," it said. HCLTech might lead organic revenue growth in tier-1 companies. It says the IT firm will raise its guidance to 4.5-5.5% (from 3.5-5%), factoring in CTG (Communications Technology Group) acquisition. In May, it acquired the CTG, a business division of HPE for \$225 million. In Q2, Infosys revised its FY25 revenue guidance from 3-4% to 3.75-4.5% on the back of performance in Q2 and ramp up of mega deals pipeline. Emkay said in Q3, deal wins might remain similar to Q2. However, absence of mega deals and weak discretionary spending should continue to weigh on deal intake in Q3.

Brokerage firm Motilal Oswal Financial Services expects tier-2 firms to continue to outpace tier-1 firms in growth during third quarter. While the initial phase of recovery in 1HFY25 was sluggish, it sees clear signs of an acceleration. "Recovery appears to be expanding beyond US BFSI, which continues to strengthen, into additional industry verticals like Hi-Tech, which is recovering ahead of schedule. The most important catalyst for the sector would come after 3QFY25, when client budgets for CY25 would be finalised and the magnitude of change in client behavior would become clearer," it said.

US no longer among India's top crude oil suppliers; Russia leads with 31% share

NEW DELHI. The United States no longer remains one of the top five crude oil suppliers to India as African nation Angola nudged ahead of the US in December. Russia continues to be the top suppliers of oil to India even though India's dependence on Russian oil has fallen. According to energy cargo tracking firm Vortexa, Russian crude made up 31% of India's imports, the lowest share of the year, while the US accounted for just 1%. This marks the second consecutive month of declining Russian imports, driven by reduced discounts. Meanwhile, the US dropped out of India's top five crude suppliers, with Angola moving into the fifth position. Not long ago (in August 2024), US accounted for 8% of India's crude oil imports. "In December 2024, the top five supplies included Russia, Iraq, Saudi Arabia, the United Arab Emirates, and Angola, with Angola overtaking the United States as the fifth largest crude supplier. Indian refiners turned towards African and Middle Eastern producers for crude as Russian crude exports fell. India's crude imports grew 2% year over year, summing to 4.57mbd in 2024," said Xavier Tang, Market analyst at Vortexa. However, India's overall crude imports in December increased by 4% to 4.46 million barrel per day. Meanwhile, comedian Kunal Kamra asked Blinkit CEO to reveal wages of delivery partners. He asked Dhindsa on X, "Can you also enlighten us with data on the average wages you paid your delivery partners in 2024."



weather office said. An official said over 100 flights have been delayed at the Delhi airport due to bad weather conditions but there are no diversions so far. "While landing and takeoffs continue at Delhi Airport, flights that are not CAT III compliant may get affected. Passengers are requested to contact the airline concerned for updated flight information. Any inconvenience caused is deeply regretted," Delhi International Airport Ltd (DIAL) said in a post on X at 6.35 am. The India Meteorological Department (IMD) said the IGI Airport experienced very dense fog with visibility recorded at 0 metres. It said all runways are operating under CAT-III, which allows aircraft to operate in low visibility conditions. The IGI airport handles around 1,300 flight movements daily. At 8 am, Palam weather station reported very dense fog with 0 metres visibility and calm winds over the past two hours, while the city's primary weather station, Safdarjung, reported visibility of 50 metres with calm winds, according to a weather department official. The weather office has predicted very dense fog for Friday, with the maximum temperature expected to settle around 17 degrees Celsius. Delhi's air quality was in the "very poor" category, with an AQI reading of 351 at 9 am. The humidity was recorded at 100 per cent at 8.30 am.

Markets up nearly 2 per cent, investors richer by Rs 6L crore

NEW DELHI. Domestic equity markets surged on Thursday, the second trading session of 2025, driven by optimism over improved third-quarter earnings. Robust performance by auto companies in December further bolstered buying sentiment, fueling the rally. Benchmark indices, BSE Sensex and NSE Nifty50, gained about 2% with the former breaching the 80,000 mark in intraday deals. At close, the Sensex was up 1,436.30 points or 1.83% at 79,943.71, and the Nifty surged 445.75 points or 1.88% to close at 24,188.65. The sharp rally added more than Rs 6 lakh crore to investors' kitty as the market capitalization of all BSE listed companies grew from Rs 445.94 lakh crore on Wednesday to Rs 452 lakh crore on Thursday. Foreign institutional investors (FIIs) also joined the part as they were net buyers (purchased shares worth Rs 1,507 crore) on Thursday. NEW DELHI: Domestic equity markets surged on Thursday, the

second trading session of 2025, driven by optimism over improved third-quarter earnings. Robust performance by auto companies in December further bolstered buying sentiment, fueling the rally. Benchmark indices, BSE Sensex and NSE Nifty50, gained about 2% with the former breaching the 80,000 mark in intraday deals. At close, the Sensex was up 1,436.30 points or 1.83% at 79,943.71, and the Nifty surged 445.75 points or 1.88% to close at 24,188.65. The sharp rally added more than Rs 6 lakh crore to investors' kitty as the market capitalization of all BSE listed companies grew from Rs 445.94 lakh crore on Wednesday to Rs 452 lakh crore on Thursday. Foreign institutional investors (FIIs) also joined the part as they were net buyers (purchased shares worth Rs 1,507 crore) on Thursday. Banking and IT stocks



performed well, as the economy bottomed in Q2." In Nifty50 pack, the biggest gainers were Bajaj twins, Eicher Motor, Maruti Suzuki and Shriram Finance. In the broader market, BSE Midcap and Smallcap indices added 1% each. Shares of Bajaj Finance and Bajaj Finserv soared up to 8.5% on Thursday, setting a positive tone for the financial

sector. The optimism came after foreign brokerage Citi reaffirmed its 'BUY' rating on Bajaj Finance with an ambitious price target of Rs 8,150, an upside of more than 17% from its closing price on Wednesday.

Santosh Meena, head of research at Swastika Investmart said that the market had been extremely oversold for several days, with FIIs holding heavy short positions in index futures. "From a technical perspective, Nifty had been struggling to sustain above its 200-DMA. However, today it not only crossed the 200-DMA effortlessly but also managed to surpass the 50-DMA and 20-DMA levels. This momentum is likely to continue, with the next target being the 100-DMA, around the 24,600 level," added Meena.

Union Budget 2025 To Be Presented By Nirmala Sitharaman On February 1 Check Timings And Other Details

The convention of presenting the Union Budget on February 1 was started by then Finance Minister Arun Jaitley in 2017.

New Delhi. Union Finance Minister Nirmala Sitharaman is expected to present the Union Budget 2025 on February 1, considering the usual convention of Budget presentation on the first day of February for the last several years. Although the official confirmation on the Budget presentation date has not come, it is most likely that the government will maintain the convention of presenting it on February 1. The convention of

presenting the Union Budget on February 1 was started by then Finance Minister Arun Jaitley in 2017. Prime Minister Narendra Modi's government, led by FM Jaitley decided to ditch the



old tradition of presenting the budget on the last working day of February. The government also merged the tradition of presenting a separate Railway Budget, which had been a thing for a good 92 years. As per the usual timing of tabling the Budget, FM Sitharaman is expected to

stick to 11 am as the time of presenting her speech. In the old days, the budget used to be revealed at 5 pm on the last working day of February. However, during the Atal Bihari Vajpayee-led NDA government era, then Finance Minister Yashwant Sinha in 1999 presented the Union Budget at 11 am instead. And ever since, the Budget tabling timings have remained as 11 am. Union Budget 2025: Stock exchanges to remain open on February 1. Despite it being a Saturday, the Indian stock exchanges will be open for trade on Budget Day 2025. NSE and BSE shared in two different notifications. Markets will remain open for equity from 9 am to 3:30 pm and for commodities it's 5 pm. Finance Minister Nirmala Sitharaman has so far held a series of meetings with various stakeholders, including MSMEs, farmers' associations, and economists.

Biwi Bhaag Jayegi': Gautam Adani's Apparent Fun Jibe At Narayana Murthy's 70-Hour Work Week Advice



New Delhi. In a humorous yet thought-provoking way, Indian billionaire and business magnate Gautam Adani has contributed his voice to the ongoing conversation about work-life balance. By stressing the value of individual satisfaction over social expectations, the chairman of the Adani Group discussed the uniqueness of balance. He said it is up to the individual to determine whether they are content

with spending quality time with their family. And if someone was spending eight hours at work, "toh biwi bhaag jaegi," he joked. His remarks coincide with the heated debates triggered by the advocacy for a 70-hour workweek by Narayana Murthy, co-founder of Infosys. Gautam Adani discussed his thoughts on successfully managing one's personal and professional lives in a video shared by news agency IANS

on December 26. Speaking candidly the businessman said, "If you enjoy what you do, then you have a work-life balance. Your work-life balance should not be imposed on me, and my work-life balance shouldn't be imposed on you." Adani emphasized that people should choose what makes them happy, highlighting the significance of personal choice. "You should decide if you are happy with spending, say, four hours with your family. And if someone's spending eight hours, toh biwi bhaag jaegi (the wife will run away)," he joked. Adani believes that shared satisfaction is the real meaning of work-life balance. "If it brings you happiness and the other person is also happy, then that's the true definition of work-life balance," he added. Adani's comments come amid a debate triggered by Narayana Murthy's advocacy for a 70-hour workweek for the younger generation. Adani's approach promotes personal balance over societal norms, emphasizing the significance of individuality in achieving work-life harmony.



necessity in the housing market. Green-certified buildings are expected to account for 30 per cent of new residential projects by 2025, doubling from 15 per cent in 2020. The number of residential units sold during 2024, translating to approximately 85 per cent of the total units sold during entire 2023. 2024 saw a remarkable 17 per cent increase in sales compared to the same in 2023. This upward trajectory in demand paved the way for sustained growth in the country's residential asset class, said the report. Fixed-use developments are becoming increasingly popular, reflecting a global trend towards creating live-work-play environments. "These developments combine residential, commercial, and recreational spaces within a single project, offering residents the convenience of having everything they need within walking distance," the report mentioned. The demand for smart homes and tech-integrated living spaces is also skyrocketing, it added.

Asian Paints stock down 33% in 3 months; is the worst over Tech view here

Asian Paints stock has been testing its 20-day daily moving average after a gap of three months. Chart shows near hurdle for the stock placed at Rs 2,397 above which a pullback rally seems likely.

NEW DELHI. The Asian Paints stock plunged 33.5 per cent from its peak of Rs 3,395 in September to a low of Rs 2,257 last month. In the process, the stock broke below its super trend line on the monthly scale for the first time in more than six years. On the daily and the weekly scale the stock has been consistently trading below the key moving averages for the last three months. However, on Friday, for the first time in little over three months, Asian Paints stock has managed to trade above its 20-day DMA (Daily Moving Average). The 20-DMA stands at Rs



2,343, while the stock thus far in the day has hit a high of Rs 2,349, and gained nearly 4 per cent from its recent low. Does this signal that the worst is over for Asian Paints stock? Or is further pain likely? Here's what the technical charts suggest. Asian Paints Current Price: Rs 2,345

Upside Potential: 13.2%
Downside Risk: 8.4%
Support: Rs 2,255; Rs 2,148
Resistance: Rs 2,930; 2,440
Even as Asian Paints is seen attempting to conquer its 20-day DMA (the short-term moving average), the stock faces overhead resistance around Rs 2,397 - the

super trend line on the daily scale. The stock will need to clear both, the 20-day DMA and the super trend line resistance, for hopes of a pull-back rally in the near-term. As such, the stock can attempt a bounce to Rs 2,570 levels; above which a rally towards Rs 2,655 seems likely. Interim resistance for the stock can be expected at Rs 2,440. The broader trend shows that Asian Paints stock seems to be seeking support around its 100-MMA (Monthly Moving Average). The 100-MMA stands at Rs 2,148, and the stock till date has never broken below the same. As such, technically this level becomes crucial for the stock. For now, the 20-DMA at Rs 2,343 holds the key, as this also coincides with the lower-end of the Bollinger Bands on the monthly scale. Sustained trade below the same augurs well for the bears and vice versa. Interim support for the stock can be expected around the recent lows of Rs 2,255 levels. CLICK HERE FOR THE CHART In case, the 100-MMA is violated it shall bring the 200-MMA into focus, which stands at a distance afar at Rs 1,285.

Wife not wearing 'purdah' is not cruelty, can't be ground for divorce: High Court

➤ The Allahabad High Court ruled that a woman's choice to not wear a 'purdah' (veil) does not amount to cruelty and cannot justify divorce.

New Delhi. The Allahabad High Court has stated that a woman's choice to forgo wearing a 'purdah' (veil) does not constitute cruelty towards her husband and, therefore, cannot be used as a basis for seeking divorce. A division bench comprising Justice Saumitra Dayal Singh and Justice Donadi Ramesh made this observation while hearing an appeal filed by a man whose divorce petition had been dismissed by a lower court. The court granted the divorce, citing desertion, as the husband and wife had been living apart for over 23 years. The husband had cited two reasons for seeking divorce: mental cruelty, claiming that his wife was independent, frequently went out on her own, and did not observe the practice of 'purdah'; and desertion. The couple married on February 26, 1990, and their 'gauna' ceremony occurred on December 4, 1992. Gauna is a Hindu wedding ceremony in northern India when the bride goes to her husband's house after marriage. They welcomed a son on December 2, 1995. While



they lived together sporadically, they have not cohabited for more than 23 years, and their son is now an adult.

- **Allahabad HC rules no cruelty in wife forgoing 'parda'.**
- **Husband's divorce plea initially dismissed by lower court.**
- **Couple married in 1990, separated for over 23 years.**

The court allowed the man's appeal, saying, "The appellant may claim mental cruelty committed by the respondent to the extent she

has deserted the appellant for very long. In any case, the respondent (wife) is found to have deserted the appellant and to have sustained that desertion for a long period, which has now exceeds 23 years. "That wilful act of the respondent and her refusal (even now) to cohabit with the appellant to revive her matrimonial relationship appears to be an act of desertion committed of degree as may itself lead to dissolution of her marriage. Here, we note, the respondent has not only refused cohabitation with the appellant, but

Right To Property A Constitutional Right, Says Supreme Court

New Delhi. The Supreme Court has said that the right to property is a constitutional right and an individual cannot be deprived of his property without him being paid adequate compensation in accordance with the law. A bench of justices B R Gavai and K V Viswanathan said the right to property ceased to be a fundamental right due to the Constitution (Forty-Fourth Amendment) Act, 1978, however, it continues to be a human right in a welfare state and a constitutional right under Article 300-A of the Constitution. Article 300-A of the Constitution provides that no person shall be deprived of his property, save by authority of law. The top court delivered its verdict on Thursday on an appeal challenging a November 2022 judgement of the Karnataka High Court in a matter pertaining to land acquisition for the Bengaluru-Mysuru Infrastructure Corridor Project (BMICP). "As discussed hereinabove, though the right to property is no more a fundamental right, in view of the provisions of Article 300-A of the Constitution of India, it is a constitutional right," the bench said.

"A person cannot be deprived of his property without him being paid adequate compensation in accordance with law for the same," it said in its verdict on the compensation related to the infrastructure corridor project. The bench noted that in January 2003, a preliminary notification was issued by the Karnataka Industrial Areas Development Board (KIADB) for acquiring lands for the project and in November 2005, the possession of land of the appellants was taken over.

The top court said the land owners, who were appellants before it, were required to knock at the doors of the courts on a number of occasions during the last 22 years and they have been deprived of their property without any compensation for the same. It noted there was no delay which could be attributed to the appellants in not getting compensation, but it was on account of the "lethargic attitude" of the officers of the State/KIADB that the appellants were deprived of compensation. The bench said that only after notices were issued in contempt proceedings, the compensation was determined by the Special Land Acquisition Officer (SLAO) on April 22, 2019, taking guideline values prevailing in 2011 for determining the market value of the acquired land.

It said if the compensation to be awarded at the market value as of 2003 was permitted, it would amount to permitting a travesty of justice and making the constitutional provisions under Article 300-A a mockery. It was a fit case for the apex court to exercise its powers under Article 142 of the Constitution and direct the shifting of the date for determination of the market value of the land of the appellants.

Enforcement Directorate Conducts Searches At 5 Locations Linked To DMK MP Kathir Anand

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED) conducted raids on Friday at five locations linked to DMK leader and Member of Parliament Kathir Anand. Kathir Anand is the son of S Duraimurugan, a senior DMK leader and the second-in-command in the Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin cabinet, represents the Vellore Lok Sabha constituency. The ED had carried out searches at the premises of DMK leader and Tamil Nadu Forest Minister K Ponnudiy and his son Gautham Sigamani in a money laundering case in July 2023. These actions against its party's leaders have prompted the DMK to blame political vendetta. In 2019, then-President Ram Nath Kovind had acted on a recommendation from the Election Commission of India to rescind the Lok Sabha election in Vellore due to the seizure of Rs 11 crore unaccounted cash from Kathir Anand and locations linked to him. Two days before the April 18, 2019 election, the polls in Vellore were cancelled. A reelection was held in August 2019, where Kathir Anand won on a DMK ticket by a narrow margin of 8,141 votes. He defeated AIADMK's AC Shanmugham. He again defeated the latter, who had by then joined the BJP, in the 2024 Lok Sabha election. He secured a comfortable victory with a margin of 2,15,702 votes.

Over 200 Flights Delayed, Train Ops Hit In Delhi As Dense Fog Reduces Visibility To Zero

New Delhi. Dense fog enveloped various parts of North India, bringing visibility and temperatures down and impacting train and flight operations. At Delhi's India Gandhi International Airport, 202 flights were delayed as visibility came down to zero. As per the past 24 hours data of the IMD, Delhi witnessed a maximum temperature of 16 degrees Celsius, a departure of three degrees below normal and minimum of 7.6 degrees Celsius. Delhi is expected to witness fog till January 8, with light rain likely on January 6. The temperature in Delhi as of Friday morning was 9.6 degrees Celsius, making it the fifth cold day in a row for the National Capital. At 8 am, the Palam airport in Delhi reported a 0 m visibility, while the Safdarjung Airport in New Delhi reported a 50-metre visibility. Both the airports are not used for commercial flight operations. As per the CPCB, the Air Quality Index is at 309 at the Lodhi Road station, categorised as 'Very Poor'. Flights of many airlines, including SpiceJet, Indigo and Air India, were affected even as the Delhi airport reported an average delay of six minutes for arrival flights and 47 minutes for departure flights, as per FlightRadar24. While SpiceJet said all flights coming in and going to Amritsar and Guwahati are affected due to bad weather, IndiGo issued a travel advisory with special focus on the Delhi, Amritsar, Lucknow, Bengaluru and Guwahati routes. Airlines urged travellers to check flight schedules while planning their journey, while also warning that flights might be cancelled if the visibility remains poor. Trains departing from and arriving in Delhi are also running late, while some route are being operated with changed timings. At least 24 trains departing from Delhi were delayed due to weather-related conditions. Among the affected trains, the Ayodhya Express was delayed by four hours, the Gorakhdham Express was running more than two hours late, and the Bihar Kranti Express and the Shram Shakti Express were delayed by over three hours. Dense fog is expected to remain over Delhi, Lucknow, Bengaluru, Amritsar and Guwahati on Friday. The India Meteorological Department's (IMD) Nowcast warning for dense to very dense fog has been issued for Delhi, Rajasthan's Kota, Bundi, Sikar, Jhunjhunu, Churu, Sri Ganganagar and Tonk, Punjab's Amritsar, Gurdaspur, Tarn Taran and Kapurthala, and Haryana's Kurukshetra, Amabal, Panchkula and Yamunanagar. Meanwhile, light rain and snow is expected in parts of Himachal Pradesh and Ladakh. A "cold day" is when the minimum temperature is under 10 degrees Celsius and the highest or lowest temperature is at least 4.5 degrees lower than what is considered normal for a specific period.

Delhi bakery owner suicide case: Family, in-laws likely to be questioned

In a bid to verify the statements recorded by Khurana on his mobile phone before hanging himself, the police will be sending a team to his house and will also be questioning his friends

New Delhi. The Delhi Police are likely to take the family members and the in-laws of Puneet Khurana, a Delhi-based cafe owner who died by suicide allegedly over an ongoing dispute with wife, in for questioning, news agency PTI reported. In a bid to verify the statements recorded by Khurana in a 54-minute video on his mobile phone before hanging himself, the Delhi Police will be sending a team to Khurana's home and will also be questioning his friends, according to PTI. Khurana hanged himself at his home in Delhi's Model Town on Tuesday. His family has alleged that Khurana's wife, Manika Pahwa, and his in-laws were mentally harassing



him. Khurana's family further claimed that his wife had kept on pressuring him to give away a share of his bakery business, prompting him to take the extreme step. Khurana's family said that he was "upset with his wife", who co-owned the For God's Cake bakery

and food joint called Woodbox Cafe, which shut down a while back. Khurana's sister claimed that Manika, her parents and her sister forced her brother to take his own life by saying, 'you can't do anything, die by suicide if you dare,' reported news agency ANI. "Manika threatened to throw our parents out of the house," she further told ANI.

Meanwhile, Khurana's mother also claimed that her son silently suffered at the hands of Manika and didn't inform them in the fear that they will be upset. Khurana's distraught mother said that she thought that the divorce would bring some peace to her son's life. However, that was not to be, following regular spat over the business, Khurana's mother further alleged.

Dera Chief Gurmeet Ram Rahim Gets Top Court Notice In 2002

➤ The notice comes after the CBI moved a plea challenging the Punjab and Haryana High Court's decision to acquit Ram Rahim and his co-accused in the case.

NEW DELHI. The Supreme Court today issued a notice to Dera Sacha Sauda chief Gurmeet Ram Rahim Singh along with four others, in connection with the 2002 murder case of Ranjit Singh, a former Dera manager. The notice comes after the CBI moved a plea challenging the Punjab and Haryana High Court's decision to acquit Ram Rahim and his co-accused in the case. A bench comprising Chief Justice of India Sanjeev Khanna and Justice Sanjay Kumar noted that the case is already being heard by a bench led by Justice Bela M Trivedi and the matter will now be listed before her bench for further proceedings. On July 10, 2002, Ranjit Singh was shot dead in the Khanpur Colony of Haryana's Kurukshetra. Mr Singh's murder was linked to his suspected role in the circulation of an anonymous letter exposing allegations of sexual exploitation of women by Gurmeet Ram



Rahim at the Dera's headquarters in Sirsa. The letter, which described how women followers were being abused, had caused public outcry. In 2021, a special CBI court in Panchkula convicted Gurmeet Ram Rahim and four others - Avtar Singh, Krishan Lal, Jasbir Singh, and Sabdil Singh - for their roles in the murder. The court awarded life imprisonment to all five and imposed substantial fines: Rs 31 lakh on Ram Rahim, Rs 1.50 lakh on Sabdil Singh, Rs

1.25 lakh each on Jasbir Singh and Krishan Lal, and Rs 75,000 on Avtar Singh.

The CBI court's order concluded that Ram Rahim orchestrated the murder because he suspected Mr Singh's involvement in circulating the letter that exposed allegations of rape and exploitation. In May 2024, the Punjab and Haryana High Court overturned the CBI court's conviction and acquitted all five accused in the Ranjit Singh murder case.

Ram Rahim had appealed his conviction in all the cases against him, including the rape cases and the murder of journalist Ram Chander Chhatrapati.

Gurmeet Ram Rahim Singh's conviction in 2017 for the rape of two women followers led to violence and unrest across Haryana, Punjab, and parts of Delhi. The violence resulted in the deaths of 30 people and injuries to over 250. The Army had to be called in to restore order.

Delhi BJP Chief Will Not Contest In Assembly Elections: Sources

New Delhi. Delhi BJP chief Virendra Sachdeva will not be contesting in the upcoming Assembly elections, sources told. This comes amid talks that he might be contesting in the polls. The BJP is yet to release their first list of candidates for the elections, while the incumbent Aam Aadmi Party has released their full list. The elections in the National Capital are scheduled for February. The Aam Aadmi Party has been in power since 2015, securing a thumping majority twice in the Assembly elections. But, in the Lok Sabha elections, AAP has failed to win a single seat since 2014 and BJP won all seven. The upcoming elections are being viewed as a fiercely contested battle between BJP and AAP, which is witnessing an aggressive poster war, with BJP alleging that AAP is resorting to voter fraud in a bid to retain power and the latter countering with a video poster

of Mr Kejriwal labelled "GOAT" (Greatest of All Time).

On January 1, the Delhi BJP chief wrote a letter to Mr Kejriwal, asking him to give up his "bad habits of lying and cheating." "All of us, since our childhood, take a resolution on New Year's Day to give up bad habits and do something good and new. Today, on the first day of New Year 2025, all the people of Delhi hope that you will bring about meaningful change in yourself by giving up your bad habits of lying and cheating." Mr Sachdeva, the Delhi BJP chief, wrote in his letter. He asked the former Chief Minister to apologise to the people of Delhi for promoting liquor. The exchange of letters came after Mr Kejriwal wrote a letter to RSS chief Mohan Bhagwat, raising questions



related to the actions of the BJP, including whether the RSS thinks that the ruling party is "weakening democracy." In the heated campaign, AAP alleged that the BJP is getting voters' names struck off the list in a desperate attempt to win the election, the BJP has accused them of getting fake voters' names added to the list to bolster its support. Mr Kejriwal said the BJP had officially sought the removal of names

of over 11,000 votes in Shahdara Assembly segment. "We won the Assembly seat last time by a margin of 5,000 votes. If these 11,000 names were struck off, there would be no chance for a win this time. But they were caught red-handed and those names were not deleted. We are thankful to the Chief Election Officer for stopping this."

State BJP chief Virendra Sachdeva, on the other hand, said the number of voters in Delhi saw a huge jump between the 2014 Lok Sabha polls and the Assembly election next year. The same, he said, was observed after the 2019 general election. "Who got these new voters? There are no answers. They are trying to play the same game this time. BJP is saying those who don't live in Delhi anymore, those who have died, why should their names be on the list?"

NEWS BOX

Concerns Rise As Covid-Like HMPV Virus Spreads Across Asia

World. As respiratory illnesses alarmingly increase in China, there are complaints of congested hospitals and overburdened healthcare systems. Health experts are especially worried about the spread of the human metapneumovirus (HMPV), a respiratory virus in other parts of the region afflicting a number of Asian countries. According to China's health authorities, the virus is spreading across the northern regions of the country. The Chinese Center for Disease Control and Prevention has confirmed that northern China is the worst affected. HMPV, which can infect people of all ages, is most common in children, raising further public health concerns. Although social media reports describe a critical situation, neither Chinese officials nor the World Health Organization (WHO) has declared a state of emergency at this stage.

No Vaccine Yet for Virus Discovered 20 Years Ago

The outbreak has heightened awareness about the need for preventive measures, especially since no vaccine exists for HMPV despite the virus being known for nearly two decades.

Health experts are urging vigilance and adherence to public health guidelines to limit the virus's spread. The common people have been advised by the authorities to wash their hands and wear masks and other precautions. Authorities in all of Asia are keeping a close watch on the flu outbreak and the respiratory virus spread in China. Regions surrounding China are implementing strict monitoring measures. Hong Kong, for example, has reported very few cases. Meanwhile, Japan's health authorities are actively working to address the issue. Following a significant influenza outbreak, Japan reported thousands of cases nationwide, as reported by local media on Saturday. According to Japan Broadcasting Corporation, 94,259 flu patients were reported in one week leading up to December 15th across 5,000 hospitals and clinics throughout the country. The total number of cases in Japan for the current season has now reached 718,000.

Tahlequah, The Grieving Orca, Loses Another Calf, Carries Dead Body Around

World. In a tragedy of Shakespearean proportions, an orca who made headlines in 2018 after it carried her dead calf for more than two weeks, has once again lost her baby, according to a report in The Guardian. The mother whale, known as J35 aka Tahlequah, was seen with the new calf on December 20 but on Wednesday (Jan 1), it could be photographed, carrying the baby whale's carcass on her head. "We were able to confirm J35 had lost the calf and she was pushing it around on her head," said Brad Hanson, a research scientist with the National Oceanic and Atmospheric Administration. The scientists were initially hopeful that the calf, known as J61 would survive, despite the health complications but the situation turned pear-shaped quickly. As per the researchers, whenever the calf appears to be sinking, Tahlequah does a "high arch dive to go down" and recovers the dead body. However, scientists are unsure whether or not she's pushing it at that point or grabbing it.

Notably, Tahlequah's first calf was born 14 years ago and is still alive while her third was born in 2020 and is also healthy. The two calves to die were both female. "The death of any calf in the [endangered southern resident population] is a tremendous loss, but the death of J61 is particularly devastating, not just because she was a female, who could have one day potentially led her own matriline but also given the history of her mother J35 who has now lost two out of four documented calves - both of which were female," Washington state-based Center for Whale Research. Also Read | Killer Whales Are Hunting Whale Sharks And Scientists Have The Evidence Now

J35 first shot to prominence in 2018 when she pushed the body of her calf around the Salish Sea for 17 days. Experts suggest that carrying the dead calves is most likely an expression of grief from the mother killer whale. Since orcas have the same neurotransmitters and hormones as humans, it is highly plausible that their feelings highly resemble that of us with grieving and mourning a central part of it.

With 2,42,334 newborn babies in 2024, South Korea records rise in birthrate after nine years

SEOUL. The number of newborns in South Korea increased last year for the first time in nine years, according to government data released on Friday. This marks a significant shift for a country facing one of the world's lowest fertility rates, Yonhap News Agency reported. Resident registration data from the ministry of the interior revealed that 2,42,334 babies were born in 2024, representing a 3.1 per cent rise compared to the previous year. This is the first annual increase following eight consecutive years of decline.

Meanwhile, the total number of registered population stood at 51,217,221 last year, shrinking for five years straight since 2020, Yonhap reported. Earlier on December 24, South Korea officially entered the category of a "super-aged" society, with individuals aged 65 and older making up one-fifth of its population, as per government data. South Korea's ministry of interior and safety reported that 10.24 million people in the country are now aged 65 or above, representing 20 per cent of South Korea's total population of 51 million, CNN reported. The data also revealed that women in this age group comprise around 22 per cent of the female population, while men aged 65 and older account for nearly 18 per cent of the male population.

Jeff Bezos' \$500 million yacht faces surprise customs raid while fiancée Lauren Sánchez sunbathes

World. Jeff Bezos' luxurious \$500 million yacht, Koru, became the center of unexpected drama when customs officers conducted a surprise inspection near St. Barts on New Year's Eve. While the Amazon founder was notably absent, his fiancée, Lauren Sánchez, turned heads as she relaxed on deck, seemingly unfazed by the intrusion. Photos captured by Page Six showed Sánchez, clad in a chic Versace bikini and wide-brimmed hat, smiling for the cameras as uniformed customs officers scoured the vessel. The inspection lasted approximately three hours, with officers methodically combing through the yacht under the guidance of a stewardess. Calm amid the storm

Sources confirmed the search was a routine procedure, though it briefly disrupted the yacht's otherwise opulent ambiance. Sánchez, however, kept her cool, mingling with friends, including her ex-boyfriend, former NFL star Tony Gonzalez. Gonzalez, who shares a 23-year-old son with Sánchez,



even took a dip in the ocean as officers worked. hough the inspection created a momentary buzz, the mood aboard remained lighthearted. A stewardess was spotted briefing Sánchez on the situation, but the relaxed atmosphere suggested there was little cause for concern.



—BarkJack (@BarkJack_)

A winter wonderland to high seas glamour

The yacht inspection followed a whirlwind holiday season for Bezos and Sánchez. The couple had recently been in Aspen, Colorado, where their extravagant celebrations sparked rumors of a \$600

million New Year's Eve wedding. However, Bezos promptly debunked the speculation, calling it "completely false" in a post on X, formerly Twitter.

"This whole thing is completely false — none of this is happening," Bezos wrote. "The old adage 'don't believe everything you read' is even more true today than ever. Lies can get ALL the way around the world before the truth can get its pants on."

Celebrity spotting in Aspen

Despite Bezos' denial, the Aspen festivities were anything but low-key. Ivanka Trump and Jared Kushner were spotted hand-in-hand leaving Matsuhisa, a renowned sushi hotspot tied to the wedding rumors. Meanwhile, Yellowstone star Kevin Costner mingled with guests, fresh off sharing drinks with Jennifer Lopez at a local bar. Whether on snowy slopes or sun-soaked decks, Bezos and Sánchez have managed to keep the spotlight firmly on them, proving that life as a billionaire couple is never dull—even when customs come knocking.

Israel Confirms September Raid On Syrian 'Underground Missile Factory'

Jerusalem. Israel's military revealed that around 100 of its troops conducted a raid in Syria in September last year to dismantle an underground missile factory allegedly funded by Iran.

In a rare admission of its activities in Syria, the military confirmed in a statement that the September 8 operation targeted and "destroyed an underground compound for manufacturing precision missiles" in the Masyaf area, near Syria's Mediterranean coast, Xinhua news agency reported. The Israeli military claimed that the facility housed "advanced assembly lines designed to manufacture precision-guided missiles and long-range rockets." These weapons, it said, would have

significantly bolstered supplies to Hezbollah and other Iranian-backed



groups in the region. The operation involved a coordinated assault by helicopters, drones for intelligence support, fighter jets, and naval vessels. Israeli forces destroyed the facility, seizing equipment, weapons, and

intelligence documents. These materials were brought back to Israel for further analysis. No Israeli troops were injured in the raid.

The Syrian Observatory for Human Rights, a Britain-based war monitor, reported in September that the raid resulted in 27 fatalities. Since the onset of Syria's civil war in 2011, Israel has carried out numerous strikes in the country, claiming to target Iranian-linked sites and weapon shipments to Hezbollah.

In December, Israeli troops entered a United Nations-monitored buffer zone in the Golan Heights and seized Syrian territory in the area. The move drew widespread international condemnation. Israel described the incursion as temporary and defensive.

10 Years After Attack, Charlie Hebdo Is Uncowed And Still Provoking

Paris. French satirical newspaper Charlie Hebdo is set to publish a special God-mocking edition next week to mark 10 years since an attack on its offices by jihadist gunmen that left eight staff members dead. The anniversary of the shocking attack on freedom of expression is being used by the extremists who burst into its offices on January 7, 2015, then fled shouting they had "killed Charlie Hebdo". They didn't kill Charlie Hebdo," editor-in-chief Gerard Biard told AFP in a recent interview, adding that "we want it to last for a thousand years". The attack by two Paris-born brothers was revenge for Charlie Hebdo's decision to repeatedly publish caricatures lampooning the Prophet Mohammed, Islam's most revered figure. The massacre of some of France's most famous cartoonists signalled the start of a gruesome series of Al-Qaeda and Islamic State plots that claimed hundreds of lives in France and western Europe over the following years. Next week's edition is set to feature the results of a typically provocative competition launched in November to

draw the "funniest and meanest" depictions of God. It will be revealed on Sunday evening.

It is intended for "everyone who is fed up with living in a society directed by God



and religion. Everyone who is fed up with the so-called good and evil. Everyone who is fed up with religious leaders dictating our lives". President Emmanuel Macron and Paris Mayor Anne Hidalgo will attend commemoration events on Tuesday at the location of the attack, as well as that of a separate but linked assault on a Jewish supermarket. Solidarity

The Charlie Hebdo killings profoundly shocked France. The attack fuelled an outpouring of sympathy expressed in a

wave of "Je Suis Charlie" ("I Am Charlie") solidarity with its lost contributors including famed cartoonists Cabu, Charb, Honore, Tignous and Wolinski.

But it also led to questioning and in some cases a furious backlash against Charlie's deliberately offensive, often crude strain of humour, part of a long-standing French tradition of caricaturing. Since its founding in 1970, it has regularly tested the boundaries of French hate-speech laws, which offer protection to minorities but allow for blasphemy and the mockery of religion.

ree-speech defenders in France see the ability to criticise and ridicule religion as a fundamental right acquired through centuries of struggle to escape the influence of the Catholic Church. Critics say the weekly sometimes crosses the line into Islamophobia, pointing to some of the Prophet Mohammed caricatures published in the past that appeared to associate Islam with terrorism. The idea is not to publish anything, it's to publish everything that makes people doubt, brings them to reflect, to ask questions.



Connection The FBI has confirmed that the attacker was an ISIS supporter. An ISIS flag was found in his vehicle, and the suspect admitted his allegiance in videos posted online.

President Joe Biden vowed to act against ISIS and similar groups. "We are going to relentlessly pursue ISIS and other terrorist organisations where they are, and they will find no safe harbour here," he said.

On the potential link between the New Orleans attack and the Las Vegas Cybertruck explosion, Biden said investigations are ongoing but no evidence of a connection has been found so far.

In Las Vegas, a Tesla Cybertruck exploded outside the Trump International Hotel, killing one person and injuring seven. Both vehicles in the incidents were rented through the car rental platform 'Turo,' prompting authorities to investigate possible links, CNN reported.

Ahead Of Trump's Inauguration, Debate On H1 B Visas Intensifies

Washington. Three weeks ahead of Trump's inauguration here on January 20, the debate on foreign guest workers visas for highly skilled professionals, the H-1B, has intensified which has literally created divisions in both the Democratic and the Republican parties. Indians are the main beneficiaries of the H-1B visas, which bring in the best of the talent and brains from across the world. Highly skilled professionals from India walk away with the overwhelming number of H-1B visas — which is Congressional mandated 65,000 every year and another 20,000 for those who received higher education from the US. President-elect Donald Trump, who will be sworn in as the 47th President of the United States on January 20 in front of the US Capitol, has come out in support of the H-1B, so has two of his close confidants, Tesla owner Elon Musk and entrepreneur Vivek Ramaswamy, both of whom have been tasked to head the newly created Department of Government Efficiency.

"I've always liked the visas, I have always been in favour of the visas. That's why we have them," Trump told the New York Post over the weekend. I've always felt we have to have the most competent people in our country. We need competent people, we need smart people coming into our country, we need a lot of people coming in. We're going to have jobs like we've never had before," Trump told reporters at a New Year's Eve party hosted by him at Mar-a-Lago. Both Musk and Ramaswamy have argued that H-1B visas are essential to attract the best of the talent, as the US falls short in many of the specialised fields. They have been joined by Indian American Democratic lawmakers including Ro Khanna, Raja Krishnamoorthi and Shri Thanedar who have come out in support of H-1B visas, after a sudden backlash against it as soon as Trump appointed Sriram Krishnan as his Senior Policy Advisor for Artificial Intelligence. Such a backlash initially



came from the supporters of Trump who argued that this is eating away at the jobs of Americans. Both Musk and Ramaswamy immediately weighed in and supported the H-1B visas. On Thursday, influential Democratic Senator Bernie Sanders asserted that the two close confidants of Trump are wrong. "Elon Musk and a number of other billionaire tech company owners have argued that this federal programme is vital to our economy because of the scarcity of highly skilled American

engineers and other tech workers. I disagree. "The main function of the H-1B visa programme and other guest worker initiatives is not to hire 'the best and the brightest', but rather to replace good-paying American jobs with low-wage indentured servants from abroad. The cheaper the labour they hire, the more money the billionaires make," Sanders said on Thursday. His own party colleague Congressman Raja Krishnamoorthi disagreed on Monday. "The number one competitive advantage America has is our workforce. The H-1B programme attracts the best and brightest talent from around the world and strengthens that advantage as we also invest in American workers," he told CNN as he supported Musk and Ramaswamy in the debate. "The reason I'm in America along with so many critical people who built SpaceX, Tesla, and hundreds of other companies that made America strong is because of H1B.

NEWS BOX

Honour equally belongs to team: Salima Tete

CHENNAI. For her contribution to Indian hockey, women’s team captain Salima Tete was named amongst the Arjuna Awardees in the National Sports Awards 2024 list announced on Thursday.

The 23-year-old took over captaincy from Savita Punia last year and was instrumental in India defending their Asian Champions Trophy title in Rajgir, Bihar. Iways a team player, Tete dedicated the award to her team. “I believe this is my team’s award. It has my name on it but, truly this honour equally belongs to my team. You cannot simply do all things by yourself in the team game so I would like to thank my team first. I know this award will work as a motivation for everyone,” she told TNIE. One of the players from the famous Simdega hockey nursery, Tete made her debut for the national side in 2017 and has 122 caps so far. She was part of the side that came close to winning the country’s first-ever women’s hockey medal when Rani Rampal led the side to fourth-place finish in Tokyo. Known for her speed and precision, Tete was given the responsibility of leading the side ahead of the ACT last year. With the Women’s Hockey India League approaching soon, Tete was at practice with her Soorma Hockey Club teammates when her former captain and Arjun Awardee herself, Rani Rampal, told her the happy news. “I was at the practice and it was Rani di who told me that I had received



the award. I could not believe it at first and couldn’t put my emotions into words.

All of my teammates were hugging me and congratulating me so it felt really good to celebrate it with them. The first thought that came to my mind was that I should call my family and let them know, but they knew before I could tell them.”

“I would like to thank my coahes including national coach Harinder Singh, teammates, and family. I wouldn’t have achieved this without their support,” Tete added.

Award motivates athletes: Swimmer Sajan Double Olympian Swimmer Sajan Prakash was also named in the list for the Arjuna Award. “This national Award will help me in my endeavour to do well in the future. I applied but was not sure whether I would be getting it.

Bumrah captains in Sydney, India opts to bat first

SYDNEY. While it seemed clear that Rohit Sharma will not play, there was a sense of anticipation to see who would walk out of the Indian dressing room donning the India blazer in front of a sell out crowd at the Sydney Cricket Ground on Friday. At about 9.58 AM, whatever doubts were there were castled. Jasprit Bumrah walked out of the pavilion with the team sheet in hand joining Australia captain Pat Cummins and Ravi Shastri in the middle. Two minutes later, he won the toss and opted to bat first. Shubman Gill had come in for Rohit Sharma while Prasidh Krishna replaced injured Akash Deep.

“Our captain has opted out of this game, it shows his leadership and that there is no selfishness in the team. Two changes, Rohit misses and Akash Deep is out due to injury, replaced by Prasidh (Krishna),” said Bumrah



when asked about Sharma.

The Indian captain had been in poor form averaging 6.2 with the bat while losing two of the three Tests he captained since arriving in Australia. With tensions mounting within the team – especially captain and head coach Gautam Gambhir — speculations and murmurs started doing rounds after the loss in Melbourne. Instead of putting them to rest, Gambhir added fuel to fire when he did not confirm Sharma’s spot in the playing XI. Later, it was confirmed that Sharma will not be taking part in the must-win contest. As things stand, India trail 1-2 and need to win the fifth and final Test to retain the Border-Gavaskar Trophy and have a chance at qualifying for the World Test Championship final.

SCG pitch has excessive grass, but no former Indian player is complaining: Gavaskar

Ground, adding that former Indian players have refrained from criticising the challenging surfaces in Australia.

New Delhi. Former India captain Sunil Gavaskar referred to the unusually grassy pitch at the Sydney Cricket Ground while adding how former Indian players have refrained from criticising the challenging surface despite its apparent difficulty. The SCG wicket proved treacherous for the visiting Indian team, which struggled to adapt to the green surface. India were precariously placed at 134 for seven in the final session of Day 1, with their batting lineup once again failing to deliver. Openers KL Rahul and Yashasvi Jaiswal fell cheaply, with Shubman Gill, replacing the rested skipper Rohit Sharma, and Virat Kohli also dismissed before making substantial contributions. Amidst the collapse, Rishabh Pant stood tall, absorbing the brunt of Australia’s relentless bowling attack. Pant endured a series of painful blows, including



hits on the biceps, helmet, and abdomen, necessitating frequent visits from the team physio. Despite his discomfort, Pant showcased his characteristic grit and flair. A straight six off debutant Beau Webster and a cheeky cutoff Nathan Lyon highlighted his

aggressive intent, even as he focused on survival.

Pant’s valiant knock, however, ended on 40 off 98 deliveries when Scott Boland’s well-directed short-pitched delivery induced a mistimed shot. Pat Cummins completed the

catch at short cover, ending a hard-fought 48-run partnership between Pant and Ravindra Jadeja, which had consumed 151 deliveries.

Boland compounded India’s woes by dismissing debutant Nitish Kumar Reddy for a golden duck the very next ball.

Gavaskar, never one to mince words, was taken aback by the pitch’s grass cover. Speaking on Star Sports, he noted, “I haven’t seen so much grass on a Sydney pitch in the past. Probably, the grass cover is on the higher side compared to other pitches in the Border-Gavaskar Trophy 2024-25. The batting is tough, and the visiting batters are not able to connect the bat with the ball.” The SCG wicket drew comparisons to some of the toughest pitches seen in recent cricket. Gavaskar praised Rishabh Pant for his bravery and adaptability, noting the stark difference between the challenges posed by this wicket and those from the previous Test.

“Rishabh Pant is putting his body on the line for India, and that’s exactly what you need to do on a pitch like this, where tough questions will be asked. It’s easy to underestimate how challenging it is. Look at the previous Test—this one is nastier,” Gavaskar added.

Sam Konstas built for Athis stage: Watson praises Australia opener's showmanship

New Delhi. Sam Konstas’ explosive batting debut in Melbourne didn’t surprise his mentor, Shane Watson; however, the 19-year-old’s showmanship during the Boxing Day Test did catch the former Australian all-rounder off guard. Konstas stunned Jasprit Bumrah-led Indian bowlers with his breathtaking strokeplay, showcasing ramps, reverse scoops, pulls, and powerful drives through the covers. The young teenage opener even took the attack to Bumrah, arguably the best bowler of his generation. Sam Konstas’ explosive batting debut in Melbourne didn’t surprise his mentor, Shane Watson; however, the 19-year-old’s showmanship during the Boxing Day Test did catch the former Australian all-rounder off guard. Konstas stunned Jasprit Bumrah-led Indian bowlers with his breathtaking strokeplay, showcasing ramps, reverse scoops, pulls, and powerful drives through the covers. The young teenage opener even took the attack to Bumrah, arguably the best bowler of his generation. Reflecting on his experience mentoring Konstas, Watson added: “My

experience working with Sam has shown me a very quiet, reserved personality — a deep thinker and certainly not an extrovert. But what we saw in the Test match is that he’s a showman, rising to the occasion without



being overawed. “I know from my own debut experience that you put a lot of pressure on yourself because it’s your dream to represent your country and wear the baggy green. But for Sam, it’s almost superhuman how he seemed unaffected by that pressure.

“You could see it wasn’t an act — that’s just who he is. And honestly, I hadn’t seen that side of him before. It just shows he’s built for the big stage, where most players take time

to adjust. Sam thrives on it.” However, Konstas faced the harsh realities of Test cricket in the second innings, with Bumrah dismissing him for just 8 runs with a superb inswinger. Watson remains confident in Konstas’ abilities, highlighting his technical soundness and adaptability as key to succeeding in red-ball cricket. “Now, it’s going to be a different challenge for him. He’s shown what his plan B is, and we already saw in that second innings that field positions were adjusted accordingly. This will be a good test of his evolution — how he can continue to take the game on against the world’s best bowlers. But he’s certainly got all the gears and the skills to make those adjustments quickly.” He’s technically very correct and waits for loose balls. But he’s also got the ability to hit the ball down the ground. Of course, when the field is set with a fine third man and a fine leg, the ramp shot might be off the table. Then again, I didn’t think he’d play the ramp shot in the first couple of overs, and he did! Sam will trust his instincts, and that’s something truly special that sets him apart.”

Mohun Bagan start year with win over Hyderabad FC

CHENNAI. Mohun Bagan Super Giant started the New Year with a 3-0 victory over Hyderabad FC at the Vivekananda Yuba Bharati Krirangan in Kolkata in the Indian Super League (ISL) 2024-25 season.

Jose Molina’s men were on the offensive, and went ahead courtesy of an own goal from Stefan Sapic followed by a superb goal from Tom Aldred in the first half. Early in the second half, Jason Cummings scored the third as they secured their 10th win of this season of the competition.

The hosts were rewarded in the ninth minute when they grabbed the lead courtesy of an own goal conceded by Stefan Sapic. Their efforts bore fruit in the 41st minute when Aldred doubled the lead with a diving header following Liston’s pinpoint delivery inside the box. The move was initiated by Sahal’s corner, marking MBSG’s 15th set-piece goal.



The hosts continued their dominance into the second half with Cummings getting into the scoresheet in the 51st minute. Cummings brought down a long pass from the right

flank and released Maclaren in space. The Australian served it back on a plate to Cummings, who beat Arshdeep in goal with a first-time finish.

All-round Bumrah sparks India's hopes after batters fail in grassy Sydney

IND vs AUS, SCG Test: Jasprit Bumrah kept India in the hunt once again despite a team facing a torrid time for the larger part of Day 1 at the SCG Test on Friday. Despite resting Rohit Sharma, India batters were a no-show once again in the ongoing series and were bowled out for just 185 runs on a spicy Sydney pitch.

New Delhi Jasprit Bumrah’s India were left in a heap of trouble on Day 1 of the New Year’s Test match in Sydney. After opting to bat first on a spicy Sydney Cricket Ground deck, India were bowled out for just 185 runs. Big names - Virat Kohli, Shubman Gill, KL Rahul failed to put up resistance as Australia pacers rolled over the visitors by making use of the full 7mm of grass left on the pitch. The green tinged wicket mixed with overcast conditions made it perfect conditions for the Australian quartet to dominate the India

team, taking the upper hand in the final Test match of the series. Some semblance of balance was brought back into the encounter very late in the day when stand-in captain Jasprit Bumrah not only added a crucial 37 runs with Prasidh Krishna and Mohammed Siraj, but also fired up India with a terrific 2-over-spell in the final minutes on Friday.

The Indian team returned to bowl only 3 overs late in the day, and perhaps gave an idea of how this Test match is going to pan out. Jasprit Bumrah bowled India’s two of three overs and made Usman Khawaja skip and hop throughout his short spell. Bumrah, managed to hand India the breakthrough of Usman Khawaja in the last ball of Day 1 - something that the team desperately needed for a mental boost after a tough day. Some semblance of balance was brought back into the encounter very late in the day when stand-in captain Jasprit Bumrah not only added a crucial 37 runs with Prasidh Krishna and Mohammed Siraj, but also fired up India with a terrific 2-over-spell in the final minutes on Friday.



late in the day, and perhaps gave an idea of how this Test match is going to pan out. Jasprit Bumrah bowled India’s two of three overs and made Usman Khawaja skip and hop throughout his short spell. Bumrah, managed to hand India the breakthrough of Usman Khawaja in the last ball of Day 1 - something that the team desperately needed for a mental boost after a tough day. That however, does not take away the fact that the visitors reeled under pressure for the better part of the day in Sydney.

challenged in the corridor of uncertainty throughout the series, and has managed to edge the ball every time despite looking set. Kohli’s exploits in series as follows: 5, 100*, 7, 11, 3, 36, 5 and now 17.

The only time Kohli did not edge the ball to the slips was when he remained unbeaten in the second innings of the opening innings at Perth. n other note, Virat Kohli’s love-hate relationship with Australia continued after the batter was booed by the SCG crowd on Friday, January 3. Kohli got jeered by the crowd while entering the arena.

The batter has been targetted by the crowd ever since bumping into Sam Konstas in the first innings of the Melbourne Test match. Kohli had rammed into the young Australia batter at the MCG when the youngster took on Jasprit Bumrah in the Boxing Day Test match. At the time of writing, India were 100/4 with Ravindra Jadeja and Rishabh Pant rebuilding for India. The team had lost Yashasvi Jaiswal, KL Rahul, Shubman Gill and Virat Kohli so far.



IND vs AUS, 5th Test: Day 1 Highlights
IND vs AUS, SCG Test Day 1: As It Happened

India were put on the backfoot at the toss itself after Jasprit Bumrah opted to bowl first on a greenish wicket at the SCG under overcast conditions. While India cannot be berated for opting to bat at the SCG, a track that is expected to break as the game goes on, but India could have taken the call based on more visual evidence than historical data.

India chose to once again play 2 spinners on the track, that had 7mm of grass left on it. The result, as it turned out, was a horrible one for India - as they were bowled out for just 185 runs. India batters, already low on confidence, found it difficult to bat on in the seaming conditions and lost two wickets in the first 10 overs of the game (7.4 overs). Pegged back, India dropped anchor with Virat Kohli and Shubman Gill to bring up a steady partnership that lasted till the final over of the morning session.

Khushi Kapoor

Smiles Bright As She Jets Off From Jamnagar With Vedang Raina

Khushi Kapoor and Vedang Raina’s rumoured relationship is nothing unknown to their fans. They are often spotted hitting parties together and going on vacations with their close ones. Recently, they celebrated their New Year’s Eve at Jamnagar, and were papped at the airport while jetting off from there. In a video shared by a paparazzo on Instagram, Khushi Kapoor and Vedang Raina were spotted entering the Jamnagar airport. The rumoured couple were also joined by Sky Force actor Veer Pahariya. In the clip, Janhvi Kapoor’s sister was seen smiling brightly while posing for the shutterbugs stationed outside the airport. Her joyful mood reflected the fun and festivities of their gala New Year’s Eve celebration in Jamnagar in the presence of her loved ones. Khushi even took a moment to pose after being approached by some of her fans for a selfie.

For the day, Khushi wore a black-hued tank top teamed with an olive green sweater and loose-fitted denim pants. She also opted for a middle-parted open hairdo, subtle makeup, a



pair of white sneakers, minimal accessories and a pink handbag to amp up her uber-cool look. On the other hand, Vedang sported a black T-shirt paired with a matching leather jacket and denim pants. Veer looked handsome in an all-black ensemble. Khushi Kapoor, being an avid social media user, gave lovely glimpses of her New Year’s Eve celebrations at Jamnagar. In a sweet Instagram post, Boney Kapoor was seen affectionately wrapping his hands around her as they posed for the lens. In the background, we got a sneak peek into the starry lights-filled decoration, which looked simply stunning. She captioned the photos as “Happy 2025.”

Before that, Khushi Kapoor maximised the festive spirit with her rumoured boyfriend Vedang Raina in cute, cosy pictures for Christmas. In the photos, the actress wore a green sweater teamed with a short mini skirt and a red purse. In one of the frames, she was seen posing for a mirror selfie with the Jigra actor, who looked handsome in a reindeer-printed blue sweater. Khushi’s Christmas special carousel also featured their close friend, Orry. Sharing it, she wrote, “A cute ugly Christmas sweater party.”

On the work front, Khushi Kapoor will be next seen in the upcoming romantic comedy Loveyapa alongside Aamir Khan’s son, Junaid Khan. Directed by Advait Singh Chandan, the film will hit the theatres on February 7.



Disha Patani

Goes Out On Lunch In Mumbai, Looks Glam In A Floral Dress

A day after welcoming the New Year with a bash, Disha Patani stepped out for lunch in Mumbai. In a clip posted by a celebrity photographer on Instagram, the actress was seen entering the Mizu restaurant in Pali. Disha, a true-blue fashion icon, slipped into a floral mini-dress for the day out. Her OOTD featured flowy sleeves and a ruffled hem. Minimal jewellery and open hair sealed her avatar. She teamed up her pretty outfit with a furry pink sling bag. The clip showed Disha Patani getting out of her car and greeting the paparazzi. She smiled at the shutterbugs and posed briefly before entering the restaurant. Fans reacted to the video by dropping red hearts and fire emojis. A few also called her “beautiful.”

Disha Patani celebrated New Year’s Eve with BFF Mouni Roy and her husband Suraj Nambiar. Mouni suffered a mini accident as she was exiting the venue. The actress tripped on the stairs and fell while on her way out. Disha was seen helping Mouni by holding her hand. Suraj also rushed to his wife’s aid. Take a look at the video here:

Workwise, Disha Patani was last seen in Kanguva. Directed by Siva, the film is led by Suriya. The action drama also starred Bobby Deol as the antagonist. The film was released in Telugu, Kannada, Malayalam, Hindi, and English on November 14, 2024. Jagapathi Babu, Prakash Raj, Yogi Babu, KS Ravikumar, Harish Uthaman, Kovai Sarala, Vasundhara Kashyap and Anandraj

played supporting roles. Kanguva is produced by KE Gnanavelraja and Vamsi Pramod under the banners Studio Green and UV Creations.

Up next, Disha Patani will next be seen in Welcome To The Jungle. Helmed by Ahmed Khan, the upcoming film revolves around two police officers — Jay Bakshi and Sandhya who have



been assigned the task of tracking down a notorious criminal, Raj Solanki. Things take a turn for the worse after Jay learns that his partner Sandhya is related to the criminal. Besides Disha Patani, Welcome To The Jungle features a cast ensemble of Akshay Kumar, Sanjay Dutt, Suniel Shetty, Jacqueline Fernandez and Rajpal Yadav among others.

Arjun Kapoor, Rakul Preet Singh And Bhumi Pednekar Starrer Mere Husband Ki Biwi To Release On THIS Date



Arjun Kapoor, Rakul Preet Singh, and Bhumi Pednekar will soon be seen in a romantic comedy film titled Mere Husband Ki Biwi. The makers have released a quirky motion poster and also announced the release date. The film is all set to hit the theatre on February 21, 2025. Fans have also reacted to it. Taking to their Instagram handles, Pooja Entertainment shared the motion poster and caption reads, “Yahaan pyaar ki geometry thodi twisted hai—kyunki ye love triangle nahi, pura circle hai! #MereHusbandKiBiwi In Cinemas 21st February, 2025.” Directed by Mudassar Aziz, known for his work on films like Pati Patni Aur Woh, Happy Bhag Jayegi, and Khel Khel Mein, the film promises to deliver a fresh and entertaining story.

One of the fans wrote, “Can’t waitttttttt”. Another wrote, “It would be Damnn beautiful Chemistry between Arjun Kapoor and rAkul preet.” Mere Husband Ki Biwi is produced by Vashu Bhagnani, Jacky Bhagnani, and Deepshikha Deshmukh.

On the work front, Arjun Kapoor was last seen in Singham Again. Singham Again showcased a parallel narrative to that of the mythological epic Ramayana. The story focuses on Bajirao Singham, who ventures into a new journey to save his wife Avni along with his team, which includes Tiger Shroff, Akshay Kumar and Ranveer Singh. Rohit Shetty’s recent release is the third in the Singham film franchise and the fifth instalment in his Cop Universe after Singham, Singham Again, Simmba and Sooryavanshi.

Rakul Preet Singh will be next seen in De De Pyaar De 2. Unlike the first part, which was helmed by Akiv Ali, the sequel will be helmed by Anshul Sharma, known for the film Saare Jahaan Se Mehnga. Bhumi will be making her web series debut with Daldal in which she will be seen playing a cop. Filming of the series is already completed. It will be released on Prime Video next year. Apart from this, she also has another web show titled The Royals opposite Ishaan Khatter. The show also features celebs like Nora Fatehi, Chunky Panday, Sakshi Tanwar, Dino Morea and Milind Soman.

Divyenndu Sharma’s Beard Game Is Strong As He Steps Out In Style In Black



Divyenndu Sharma is known for his portrayal of Munna Tripathi aka Munna Bhaiya in the popular series Mirzapur. Backed by Farhan Akhtar, the show was a big hit and gained him widespread recognition. On Wednesday night, the actor grabbed the audience’s attention with his dashing look as he was spotted leaving a restaurant.

Several pictures and videos of the actor surfaced on social media. In one such video, the Madgaon Express actor is seen striking a pose at the restaurant entrance. As the clip moves forward, the actor is also seen interacting and clicking pictures with the paps stationed outside.

Divyenndu looked handsome as he opted for an all-black formal look. He wore a shirt and teamed with matching pants. He was seen with a heavy beard look. Fans were quick to share their reactions on social media. An Instagram user wrote, “Hottie.” Another one wrote, “Hero h hero apna munna bhaiya.” One of them commented, “Stunning look.”

Meanwhile, on the work front, the actor first gained recognition with his performance in the comedy film Pyaar Ka PUNCHAMA which was released in 2011. The film also starred Kartik Aaryan, Nushratt Bharuccha and Ishita Sharma in leads.

Post that he went on to feature in big-budgeted films like Toilet: Ek Prem Katha, Batti Gul Meter Chaalu and others. His career shot to fame after he appeared in Farhan Akhtar’s web series Mirzapur. He was part of the show’s season 1, which was released in 2018 and season 2, which premiered in 2020.

After the grand success of Mirzapur, the makers recently announced a film based on the web series. Notably, the original cast including Pankaj Tripathi, Ali Fazal, Abhishek Banerjee and Divyenndu will be seen reuniting for the project. Created by Puneet Krishna and directed by Gurmmeet Singh, the Mirzapur film is scheduled for release in 2026.

He was last seen in the film Agni which premiered on the OTT giant Prime Video. Helmed by Rahul Dholakia, known for Raees, and produced by Farhan Akhtar, the film also featured Pratik Gandhi and Siyami Kher in the lead roles.